

शैक्षिक समाचार
राजस्थान



कार्यालय, निदेशक, प्रारम्भिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर
कार्यालय का पता—कार्यालय निदेशक प्रारंभिक शिक्षा, राजस्थान बीकानेर
दूरभाष -0151-2226551 ई मैल— aayukt.ele@gmail.com

क्रमांक: शिविरा /प्रारं/ निरी/एसआईक्यूई/FLN /19536 /2021/2923

दिनांक: 06/12/2021

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी,

समस्त।

विषय: निपुण भारत अभियान के लक्ष्य 2026-27 के अन्तर्गत FLN के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में।

प्रसंग: रा.स्कूल.शि.प./जय/गुणवत्ता/2021-22/5911 दिनांक 30.11.2021

संदर्भ: राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के पत्रांक: रा.स्कूल.शि /जय /गुणवत्ता /2021-22 /4572 दिनांक: 14.10.2021

उपर्युक्त विषय एवं प्रसंगान्तर्गत, लेख है कि आधारभूत शिक्षण बच्चे के भावी शिक्षण की नींव है। बोध के साथ पठन, लेखन और मूलभूत गणितीय प्रश्नों को हल करने के मूलभूत कौशल को प्राप्त न कर पाने से कक्षा-3 के बाद की पाठ्यचर्या की जटिलताओं के लिए बालक तैयार नहीं हो पता है। मिशन का उद्देश्य एक सक्षम परिवेश का निर्माण करना है ताकि मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के सार्वभौमिक अर्जन को सुनिश्चित किया जा सके। जिससे प्रत्येक बच्चा ग्रेड-3 के बाद पठन, लेखन एवं संख्या ज्ञान कौशल की अपेक्षित शिक्षण-क्षमताओं को प्राप्त कर पायेगा। FLN मिशन 3-9 वर्ष के आयु के बच्चों को अधिगम-आवश्यकताओं के लिये तैयार करना है। प्री-स्कूल एवं कक्षा-1 के बीच मजबूत सम्बन्ध स्थापित करने और सुचारू कक्षा-अन्तरण के उद्देश्य से NCERT द्वारा तैयार की गई ईसीसीई पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क को आगनबड़ी और प्री-प्राइमरी स्कूल दोनों द्वासे अपनाया जायेगा ताकि कक्षा-1 में सुचारू कक्षा-अन्तरण सुनिश्चित किया जा सके। इस प्रकार अधिगम समग्र, एकीकृत, समावेशी, आनन्दमय और बच्चों को आकर्षित करने वाला होगा।

FLN मिशन शिक्षा मंत्रालय द्वारा क्रियान्वित किया जा रहा है और सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में राष्ट्रीय-राज्य-जिला-ब्लॉक-स्कूल स्तर पर पाँच स्तरीय क्रियान्वयन व्यवस्था की जा रही है। मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान कार्यान्वयन सम्बन्धी समग्र दिशा-निर्देश, राष्ट्रीय साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पहल (निपुण भारत) – मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के प्रमुख तकनीकी पहलुओं के साथ-साथ राष्ट्रीय, राज्य, जिला, ब्लॉक, स्कूल स्तर पर क्रियान्वयन व्यवस्था को प्रभावी ढंग से स्थापित किया जाना है।

सत्र 2026-27 तक कक्षा 3 तक प्रत्येक बच्चा आधारभूत साक्षरता और संख्याज्ञान प्राप्त कर सके— यही निपुण भारत अभियान का लक्ष्य है। इसके लिए प्रत्येक जिले में Foundationa Literacy and Numeracy (FLN) अन्तर्गत दिशा निर्देशानुसार कार्यवाही सुनिश्चित करें। उक्त कार्य मिशन मोड में संचालित किया जाना है अतः सभी जिले

आवश्यक कार्य समयबद्ध रूप से संपादित करें। जिला निष्पादक समिति की बैठक में इस बिन्दु
को शामिल करें।

नोट:-FLN के प्रभावी क्रियान्वयन एवं मानिटरिंग हेतु District Academic Task Force

एवं Block Academic Task Force का गठन कर इस कार्यालय को अवगत कराते हुए
नियमित बैठक का आयोजन भी सुचारू रूप से करावें।

संलग्न:- उपर्युक्तानुसार (दिशा निर्देश)

(अशोक सांगवा)

R.A.S.

अतिरिक्त निदेशक(प्रशासन)

प्रारम्भिक शिक्षा, राजस्थान

बीकानेर

क्रमांक: शिविरा/प्रारं/निरी/एसआईक्यूई/FLN/19536/2021/ 2923 • • दिनांक: 06/12/2021,

प्रतिलिपि:-

1. निजी सचिव, राज्य परियोजना निदेशक, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्, जयपुर।
2. निजी सचिव, निदेशक, माध्यमिक शिक्षा/प्रारम्भिक शिक्षा, राजस्थान, बीकानेर।
3. जिला कलक्टर, समस्त।
4. मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, समस्त।
5. अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा, समस्त।
6. मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, समस्त।
7. कार्यालय रक्षित पुस्त्रावली।

अतिरिक्त निदेशक(प्रशासन)
प्रारम्भिक शिक्षा, राजस्थान
बीकानेर

सत्यमेव जयते

6. निष्ठा 2.0 एवं निष्ठा 3.0 की प्रगती



स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार



राष्ट्रीय साक्षरता एवं संख्या ज्ञान दक्षता पहल

(निपुण भारत)

राष्ट्रीय मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान मिशन



विवरणिका





विवरणिका

@2021

प्रस्तावना

आधारभूत शिक्षण बच्चे के भावी शिक्षण का आधार है। बोध के साथ पठन, लेखन और मूलभूत गणितीय प्रश्नों को हल करने के मूलभूत कौशलों को प्राप्त न कर पाने से, बच्चा कक्षा-3 के बाद की पाठ्यचर्या जटिलताओं के लिए तैयार नहीं हो पाता है। प्रारंभिक शिक्षण की महता को देखते हुए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 में उल्लेख किया गया है कि "हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता 2025 तक प्राथमिक और उससे आगे सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त करने की होनी चाहिए। यदि हम सबसे पहले इस महत्वपूर्ण मूलभूत शिक्षण (अर्थात् प्रारंभिक स्तर पर पठन, लेखन और गणित कौशल) को प्राप्त नहीं कर पाते हैं, तो शेष नीति हमारे छात्रों की एक बड़ी संख्या के लिए मुख्य रूप से अप्रासंगिक हो जाएगी।" इस दिशा में, शिक्षा मंत्रालय (एमओई) द्वारा एक राष्ट्रीय मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान मिशन की प्राथमिकता पर स्थापना की जा रही है। मिशन अधिगम के पांच क्षेत्रों—बच्चों को उनकी स्कूली शिक्षा के प्रारंभिक वर्षों में फूंच प्रदान करना और उन्हें स्कूलों में बनाये रखना, शिक्षक क्षमता निर्माण, उच्च गुणवत्ता एवं विविधतापूर्ण छात्रों एवं शिक्षण संसाधनों/अधिगम सामग्री का विकास, अधिगम परिणाम उपलब्धि में प्रत्येक छात्र की प्रगति को फैल करना तथा बच्चों के पोषण और स्वास्थ्य (मानसिक स्वास्थ्य सहित) पहलुओं के समाधान पर ध्यान देगा।

मिशन का उद्देश्य एक सक्षम परिवेश का निर्माण करना है ताकि मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के सार्वभौमिक अर्जन को सुनिश्चित किया जा सके, जिससे प्रत्येक बच्चा ग्रेड-III के बाद पठन, लेखन और संख्या ज्ञान कौशल की अपेक्षित शिक्षण—क्षमताओं को प्राप्त कर ले। मिशन 3 से 9 वर्ष के आयु के बच्चों की अधिगम—आवश्यकताओं को कवर करेगा। तदनुसार, अधिगम—अंतराल और इसके संभावित कारणों की पहचान और स्थानीय परिस्थितियों एवं देश की विविधता को ध्यान में रखते हुए, विभिन्न कार्यनीतियों के लिए राष्ट्रव्यापी पहल शुरू की जाएगी। इसके अलावा, प्री—स्कूल एवं कक्षा-1 के बीच मजबूत संबंध स्थापित करने और सुचारू कक्षा—अंतरण के उद्देश्य से एनसीईआरटी द्वारा तैयार किए गए ईसीसीई पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क को आंगनवाड़ी और प्री—प्राइमरी स्कूल दोनों द्वारा अपनाया जाएगा ताकि कक्षा-1 में सुचारू कक्षा—अंतरण सुनिश्चित किया जा सके। इस प्रकार, अधिगम समग्र एकीकृत, समावेशी, आनंदमय और बच्चों को आकर्षित करने वाला होगा।

एफएलएन मिशन शिक्षा मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जाएगा और सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में राष्ट्रीय—राज्य—जिला—ब्लॉक—स्कूल स्तर पर एक पांच—स्तरीय कार्यान्वयन व्यवस्था की जाएगी। इस पर बल देने एवं इसे प्राथमिकता देने की दृष्टि से कार्यक्रम को मिशन पद्धति में कार्यान्वित किया जाएगा। शिक्षा मंत्रालय का स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग राष्ट्रीय स्तर पर कार्यान्वयन एजेंसी होगा और इसकी अध्यक्षता मिशन निदेशक करेंगे। कार्यक्रम को दीर्घकालीन कार्यनीति एवं कार्य योजना को तैयार करते हुए, विशेष रूप से मिशन एवं राज्योंसंघ राज्य क्षेत्रों द्वारा प्राप्त किए जाने वाले लक्ष्यों पर फोकस किया जाएगा।

मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान कार्यान्वयन संबंधी समग्र दिशा—निर्देश, राष्ट्रीय साक्षरता एवं संख्या ज्ञान पहल (निपुण भारत)—मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के प्रमुख तकनीकी पहलुओं के साथ—साथ राष्ट्रीय, राज्य, जिला, ब्लॉक और स्कूल स्तर पर कार्यान्वयन व्यवस्था को प्रभावी ढंग से स्थापित करने के प्रशासनिक पहलुओं को कवर करते हैं। इसे कार्यान्वयन भागीदारों और क्षेत्र—विशेषज्ञों के साथ बहुत से गहन परामर्शों के माध्यम से तैयार किया गया है। इसे लचीला और सहयोगी बनाने पर भी समर्पित ध्यान दिया गया है। इस प्रकार, एफएलएन पर राष्ट्रीय मिशन को मौजूदा मुख्य स्रोत अवसरचना के प्रयोग द्वारा सुदृढ़ बनाकर कार्यान्वित किया जाएगा और यह सभी हितधारकों की सक्रिय भागीदारी के माध्यम से समग्र दृष्टिकोण को अपनाएगा।



मूलभूत साक्षरता को समझना

स्कूल शिक्षा प्रणाली की सर्वोच्च प्राथमिकता 2026–27 तक प्राथमिक स्तर पर मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान की सार्वभौमिक प्राप्ति करना है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 इस बात को भी उजागर करती है कि इस समय प्रारंभिक स्तर पर पढ़ रहे बच्चों की बड़ी संख्या ने मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान को प्राप्त नहीं किया है। एनईपी, 2020 आगे इस बात को भी दोहराती है कि इस चिंता का तत्काल समाधान जरूरी है ताकि मूलभूत शिक्षण को स्कूलों में ही पूरा किया जा सके जिससे सभी छात्रों को गुणवत्तापरक शिक्षा-प्राप्ति के अवसर मिल सके। सभी बच्चों के लिए मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त करना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय मिशन बन जाना चाहिए। छात्रों को, उनके स्कूल, शिक्षकों, माता-पिता और समुदाय के साथ, सभी संभावित तरीकों से तत्काल सहायता देने और उन्हें प्रोत्साहित करने की जरूरत है ताकि सभी महत्वपूर्ण लक्ष्यों और मिशन को पूरा करने में मदद की जा सके, जो वस्तुतः पूरे भावी शिक्षण की नींव तैयार करते हैं।

राष्ट्रीय विकास में मूलभूत कौशलों की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखते हुए, “आत्मनिर्भर भारत” अभियान के तहत यह घोषणा की गई थी कि एक राष्ट्रीय मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान मिशन की शुरुआत की जाएगी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि 2026–27 तक देश में प्रत्येक बच्चा कक्षा–3 में मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान को अनिवार्य रूप से प्राप्त कर

लेता है। इस प्रयोजन के लिए, एक रोमांचक पाठ्यचर्या फ्रेमवर्क-बच्चों को अपनी ओर आकर्षित करने वाली अधिगम सामग्री—ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों मोड में, शिक्षण परिणाम, अध्यापक क्षमता निर्माण और उनके मापन सूचकांक, मूल्यांकन विधि आदि को तैयार किया जाएगा ताकि इन्हें चरणबद्ध ढंग से आगे बढ़ाया जा सके।

इस संदर्भ में, शिक्षा मंत्रालय द्वारा “राष्ट्रीय साक्षरता एवं संख्या ज्ञान दक्षता पहल (निपुण भारत)” नामक राष्ट्रीय मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान मिशन की प्राथमिकता के साथ स्थापना की जा रही है। राष्ट्रीय मिशन राज्योंसंघ राज्य क्षेत्रों के लिए प्राथमिकताएं और कार्यान्वित की जाने वाली मदों को निर्धारित करता है ताकि प्रत्येक बच्चे के लिए कक्षा–3 तक मूलभूत साक्षरता एवं संख्या ज्ञान में दक्षता के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके। इस मिशन को केंद्र प्रायोजित योजना—समग्र शिक्षा के तत्वाधान में स्थापित किया जाएगा, जो स्कूल शिक्षा के लिए एकीकृत योजना है तथा यह प्री-स्कूल से वरिष्ठ माध्यमिक स्तर को कवर करती है। यह योजना प्री-स्कूल से कक्षा–3 सहित 3 से 9 वर्ष के बच्चों पर ध्यान केंद्रित करती है। उन कक्षा–4 और कक्षा–5 के बच्चों, जिन्होंने मूलभूत कौशलों को प्राप्त नहीं किया है, को आयु अनुरूप और अनुपूरक कक्षा अधिगम सामग्री दी जाएगी ताकि आवश्यक दक्षता हासिल की जा सके।

मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान कार्यान्वयन संबंधी दिशा—निर्देश तदनुसार निम्नलिखित मुख्य पहलुओं पर ध्यान देते हैं:

1. मूलभूत भाषा और साक्षरता समझः

पठन, लेखन और संख्यात्मक आधारभूत गणन कार्यों को करने की क्षमता भावी स्कूली शिक्षा एवं जीवनपर्यंत शिक्षण के लिए आवश्यक नींव और अपरिहार्य पूर्वापेक्षा है। भाषा का पूर्व ज्ञान भाषा में साक्षरता कौशल के निर्माण में सहायता करता है। जिन बच्चों की अपनी गृह भाषा में मजबूत पकड़ होती है वे अंग्रेजी/द्वितीय भाषा को और अधिक सरलता से सीख सकते हैं। इसके अलावा, मूलभूत साक्षरता कौशलों को स्कूल में पोषित किया जाता है और अधिकतर यह उस भाषा के प्रति अध्यापकों की समझ एवं दृष्टिकोण पर निर्भर करता है जिस भाषा को बच्चे स्कूल में लेकर आते हैं अर्थात् जो उनकी गृह भाषा होती है। मूलभूत भाषा और साक्षरता के मुख्य घटक निम्नानुसार हैं:-

- **मौखिक भाषा विकासः** पठन एवं लेखन में कौशल विकास के लिए मौखिक भाषा अनुभव महत्वपूर्ण है।
- **पठन बोधः** यह क्षेत्र पाठ—बोध क्षमता और उससे जानकारी प्राप्त करने के साथ—साथ पाठ की व्याख्या को कवर करता है।
- **चित्रकारी की अवधारणाः** बच्चों का कौशल बोध विकास के लिए भिन्न—भिन्न प्रकार की चित्रकारी को देखने के अवसर देने की जरूरत है।
- **लेखनः** इस क्षेत्र में अक्षर और शब्द लेखन दक्षता के साथ—साथ अभिव्यक्ति लेखन शामिल है।
- **स्मरण शक्तिः** इस क्षेत्र में मौखिक स्मरण, लेखन/पठन स्मरण और शब्दों का रूपात्मक विश्लेषण दक्षता शामिल है।
- **ध्वनि बोधः** इस क्षेत्र में, शब्द बोध, लय बोध और शब्दों में निहित ध्वनि बोध, जो भाषा के साथ उनके अर्थ—पूर्ण संबंध से उत्पन्न होती है, शामिल हैं।
- **डिकोडिंगः** इस क्षेत्र में चित्र—बोध, अक्षर ज्ञान और डिकोडिंग तथा शब्द पहचान शामिल है।
- **निर्बाध पठनः** यह सटीकता, गति (स्वामेत्य लय) अभिव्यक्ति (छंदमय) और बोध से संबंध रखता है जो बच्चों को पाठ से अर्थ जानने के अवसर देता है।
- **पठन/पठन के प्रति झुकाव की आदतः** इसमें भिन्न—भिन्न पुस्तकों और अन्य पठन सामग्रियों से जुड़ने की प्रेरणा शामिल है।

सत्यमेव जयते

2. मूलभूत संख्या ज्ञान और गणित कौशलः

मूलभूत साक्षरता का अर्थ तर्क योग्यता और साधारण गणितीय सिद्धांतों का दैनिक जीवन की समस्याओं को सुलझाने में प्रयोग से है। संख्याओं के साथ गणितीय कार्य और स्थानिक समझ किसी भी बातचीत और दैनिक जीवन के कार्यों का अभिन्न अंग है। प्रारंभिक गणित के मुख्य पहलु और घटक निम्नलिखित हैं:-

- **प्रारंभिक गिनती अवधारणाः** संख्या क्रम को गिनना और समझना
- **संख्या और संख्या संबंधी गणितीय कार्यः** गणितीय विधि में दक्षता के लिए जरूरी परंपरा को सीखना जैसे अंकों को दर्शाने के लिए मूल दशांक प्रणाली का उपयोग करना
- **आकार और स्थानिक समझः** अपने ढंग से तीन अंकों का साधारण घटा—जोड़, भाग—गुणा (गणना) और इनका विभिन्न संदर्भों में अपने जीवन कार्यों में प्रयोग करना
- **मापनः** तीन अंकों तक जमा, घटा, गुणा और भाग करने के लिए मानक गणितीय पद्धति की समझ और उसका प्रयोग
- **पद्धतिः** अंतरिक्ष और स्थानिक वस्तुओं के प्रति अपनी समझ को बढ़ाने के लिए संबंधपरक शब्दावली सीखना
- **डाटा का रखरखावः** संख्याओं में पुनःआवर्तित आकार से लेकर पैटर्न तक साधारण पैटर्न को समझना और उसका विस्तार करना
- **गणितीय संप्रेषणः** अपने दैनिक जीवन के कार्यकलापों में साधारण डाटा/जानकारी को इकट्ठा करना, प्रस्तुत करना और उसकी व्याख्या करना

3. क्षमता आधारित अधिगम परिणामों की दिशा में बढ़ना :

जब विभिन्न पृष्ठभूमियों के बच्चे, जिनकी भिन्न-भिन्न शिक्षण आवश्यकताएं हैं, औपचारिक शिक्षण में प्रवेश करते हैं तो सभी छात्रों से उम्मीद होती है कि वे (पढ़ाए) कवर किए जाने वाले और समय-सीमित अधिगम प्रणाली में परीक्षा लिए जाने वाले ग्रेड स्तरीय कंटेंट्स के लिए तैयार हों। क्षमता आधारित शिक्षण छात्र अधिगम परिणामों पर केंद्रित है, और इसकी निम्नलिखित विशेषताएं हैं:-

- बच्चों को मौजूदा स्तर में योग्यता हासिल करने पर ही अगली कक्षा में भेजा जाए, ना कि आयु को देखकर।
- स्पष्ट और मापनीय अधिगम परिणामों को परिभाषित किया गया है जो क्षमता अर्जन का मार्ग है।
- प्राथमिक रूप से रचनात्मक मूल्यांकन का प्रयोग किया जाता है और कौशल या अवधारणा को बहुआयामी संदर्भों में मूल्यांकित किया जाता है ताकि बच्चों द्वारा गहरी समझ और अनुप्रयोग दोनों को अर्जित किया जा सके।

एनईपी 2020 में बच्चे के समग्र विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया है। विकास के विभिन्न क्षेत्र हैं जैसे शारीरिक और अंग संचालन विकास, सामाजिक-भावनात्मक विकास, साक्षरता और संख्यात्मक विकास, संज्ञानात्मक विकास, आध्यात्मिक और नैतिक विकास, कला और सौंदर्य विकास जो परस्पर संबंधित और परस्पर आश्रित हैं। इन सभी डोमेनों को तीन प्रमुख लक्षणों में रखा गया है:

- **विकासात्मक लक्ष्य 1:** बच्चे अच्छा स्वारथ्य और स्वच्छता बनाए रखें
- **विकास लक्ष्य 2:** बच्चों का सम्प्रेषण प्रभावी हो
- **विकासात्मक लक्ष्य 3:** बच्चे काम से जुड़े रहने वाले शिक्षार्थी बनें और अपने निकटतम परिवेश से जुड़े रहें।

इसके अलावा, प्रत्येक लक्ष्य की प्रमुख दक्षताओं और अवधारणाओं को मुख्य रूप से दर्शाया गया है और इन दक्षताओं को एनसीईआरटी द्वारा विकसित दस्तावेजों 'प्री-स्कूल पाठ्यचर्चा' और 'अधिगम परिणाम' से तैयार किया गया है। इसी तरह, एनईपी 2020 में यथापरिकलिप्त गणितीय सोच, डिजाइन शिक्षण आदि के परिप्रेक्ष्य का ध्यान रखा गया है।

4. शिक्षण अधिगम: बच्चे के अधिगम पर फोकस

भारत में, हमारे पास बड़ी संख्या में बच्चे हैं जो पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी हैं और उनके घरों में साक्षरता और संख्या ज्ञान का माहौल नहीं है। इसलिए शिक्षकों को ध्वनियों के बारे में शिक्षित करने और अलग अलग ध्वनियों को पहचानने और दृश्य बोध और दृश्य से जुड़ने संबंधी विकास पर ध्यान केंद्रित करना होगा, जिससे बच्चों को बेहतर पाठक और लेखक बनाया जा सकेगा। इसके अलावा, गणितीय अधिगम अथवा भावात्मक सोच की नींव खेल और गतिविधि-आधारित दृष्टि कोण (खिलौना बनाना, कला एकीकरण, खेल एकीकरण, कथावाचन आधारित शिक्षण, आईसीटी एकीकरण, समूह कार्य, भूमिका निभाना, समूहों में परियोजना कार्य आदि सहित) के माध्यम से पैदा होती हैं), जो हर शिक्षार्थी के लिए सार्थक हैं। इसलिए, शिक्षकों को निम्नलिखित पर ध्यान देना जरूरी है:

- समान ध्यान, सम्मान और समान अधिगम अवसर प्रदान करके बालकों और बालिकाओं की ओर से समान और उचित अपेक्षाएँ रखना।
- बिना किसी लैंगिक पक्षपात के किताबें, चित्र, पोस्टर, खिलौने / सामग्री और अन्य गतिविधियों का चयन करना।
- शिक्षार्थियों से बात करते समय या कक्षा में पढ़ाते समय लैंगिक-पक्षपात वाले कथनों का इस्तेमाल न करना।
- ऐसी कहानियों, कविताओं / गीतों, गतिविधियों और सहायक सामग्री का चयन करना जो विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों सहित लड़कियों और लड़कों को ऐसी भूमिकाओं में दर्शाती हों, जैसा सभी व्यवसायों में पुरुषों और महिलाओं की भूमिकाएं रहती हैं।
- शिक्षार्थियों को उनकी ऐसी अभिरुचियों का अनुसरण करने के लिए प्रोत्साहित करना जो उन्हें आत्म-नियमन, कार्य पर दृढ़ता और अच्छी कार्य आदतों के कौशल को विकसित करने में सक्षम बनाती हैं।

- खिलौना आधारित शिक्षासाम्रांकन का उपयोग करना। इस बात पर बल दिया जाएगा कि बच्चे आस-पास आसानी से उपलब्ध कम लागत वाली / बिना लागत वाली सामग्री के साथ खिलौने बनाएँ। बच्चों द्वारा बनाए गए खिलौनों को इकठ्ठा करके इनका इस्तेमाल वाक् कौशल के लिए किया जा सकता है, जहां प्रत्येक बच्चा स्कूल में एक खिलौना लाए और फिर उसके विषय में बताए अथवा उसके बारे में लिखे।

5. अधिगम मूल्यांकन:

मूलभूत शिक्षा बुद्धि, क्षमता, शारीरिक विकास, मानसिक परिपक्वता और मूल्यों के विकास की अवधि का एक महत्वपूर्ण चरण है। मूल्यांकन का प्राथमिक उद्देश्य एफवाईएल-1 से एफवाईएल-6 (3 से 9 वर्ष की आयु वर्ग) तक प्रत्येक बच्चे को अधिगम में सहायता प्रदान करना और उनका मार्गदर्शन करना है। बुनियादी वर्षों में सीखने की गति अलग-अलग होती है और हर बच्चे में अलग अलग होती है। यह विभिन्न विकासात्मक क्षेत्रों/विषयों में भी अलग अलग होती है और यह हर बच्चे की प्रतिक्रिया और काम करने के तरीके पर निर्भर करती है क्योंकि इस स्तर पर अधिगम अलग अलग सामाजिक और सांस्कृतिक परिवेश से प्रभावित होता है। अतः मूल्यांकन की विविध तकनीकों का उपयोग करके सतत और व्यापक तरीके से बच्चों की प्रगति को ट्रैक करने के लिए मूल्यांकन जरूरी है। इसका लक्ष्य विशेष आवश्यकताओं वाले बच्चों सहित प्रत्येक बुनियादी स्तर अर्थात् एफवाईएल-1, एफवाईएल-2, एफवाईएल-3, एफवाईएल-4, एफवाईएल-5 और एफवाईएल-6 पर अधिगम अंतरालों की शुरुआती पहचान करना है ताकि उन्हें विशेषज्ञों के पास भेजकर शीघ्र इस दिशा में कार्य शुरू करने की संभावनाएं बन सकें।

अतः विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके बच्चों की प्रगति को ट्रैक करने के लिए समग्र और उद्देश्यपूर्ण मूल्यांकन महत्वपूर्ण है जिससे निम्नलिखित में हितधारकों की सहायता की जा सके :

- बच्चे के सामर्थ्य, आवश्यकताओं, रुचियों और प्राथमिकताओं की पहचान करना।
- बच्चे के प्रदर्शन को बेहतर बनाने में और उसे पहलों के माध्यम से मजबूत बनाना।
- मुद्दों और समस्या विषयों को हल करने में सहयोग करना।
- अधिगम अंतराल और अधिगम में कठिनाइयों की शीघ्र पहचान में योगदान देना।

शिक्षा के मूलभूत वर्षों में तीन विकासात्मक लक्ष्य हैं, जिनमें 'प्रमुख शिक्षण क्षेत्र' जैसे शारीरिक और अंग विकास, सामाजिक-भावनात्मक विकास, भाषा और साक्षरता, संज्ञानात्मक विकास (गणितीय समझ और संख्या ज्ञान के साथ-साथ विश्व की समझ रखना), आध्यात्मिक और नैतिक विकास, कला और सौंदर्य विकास शामिल हैं, जो परस्पर संबंधित और एक-दूसरे पर आश्रित हैं। इसलिए विभिन्न तकनीकों का उपयोग करके समग्र और उद्देश्यपूर्ण मूल्यांकन बच्चों की प्रगति को ट्रैक करने के लिए महत्वपूर्ण है। बच्चे में अधिकतम अधिगम और क्षमताओं के विकास करने के लिए अभिभावकों की भागीदारी भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। अतः, मूलभूत शिक्षा के दौरान मूल्यांकन को मोटे तौर पर दो प्रमुख क्षेत्रों में वर्गीकृत किया जा सकता है, नामतः

- (i) **स्कूल आधारित मूल्यांकन (एसबीए):** मूलभूत स्तर पर एसबीए तनाव मुक्त होना चाहिए और मुख्यतः विविध अनुभवों और गतिविधियों में बच्चे के प्रदर्शन के आधार पर गुणात्मक अवलोकन के माध्यम से होना चाहिए। मूल्यांकन के लिए विभिन्न साधनों और तकनीकों जैसे वास्तविक रिकॉर्ड, जांच सूची, पोर्टफोलियो और संवाद (शिक्षकों, साथियों, परिवार और दोस्तों के साथ पूरे 360-डिग्री मूल्यांकन के माध्यम से) का उपयोग किया जा सकता है। मूलभूत शिक्षा में प्राथमिक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जाता है, जो एक-दूसरे के साथ अंतरः रूप से जुड़े होते हैं और एसबीए के माध्यम से शिक्षक द्वारा मूल्यांकन किया जाना चाहिए ताकि मूलभूत वर्षों के दौरान विकास की प्रक्रिया को सहायता दी जा सके। इन प्रमुख शिक्षण क्षेत्रों को मूलभूत शिक्षा के तीन विकासात्मक लक्ष्यों में मिला दिया गया है।

एसबीए के साधनों और तकनीकों में शामिल हैं: अवलोकन का उपयोग एवं मूल्यांकन और सहकर्मी

मूल्यांकनय और पोर्टफोलियो का उपयोग। इसके अलावा, समग्र विकास कार्ड (एचपीसी) के रूप में बच्चों की वृद्धि और विकास के सभी आवश्यक पहलुओं पर उनका मूल्यांकन संकलित किया जाना चाहिए। एचपीसी की कुछ विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

- किसी विषय क्षेत्र में एकल स्कोर या लेटर ग्रेड न देकर अलग—अलग रिपोर्टिंग प्रदान करता है।
- समग्र प्रगति में अनेक अद्वितीय दक्षताओं के बारे में बताया जाता है जो केवल अकादमिक नहीं होती।
- एकाधिक शिक्षण परिणामों को साक्षरता, संख्या ज्ञान और अन्य क्षेत्रों जैसे साइकोमोटर कौशल, पर्यावरण जागरूकता, व्यक्तिगत स्वच्छता, आदि में छात्र की प्रगति को इंगित करने के लिए परिभाषित किया जाता है ताकि उनके सामर्थ्य और सुधार के क्षेत्रों की पहचान की जा सके।
- छात्रों की प्रगति का मूल्यांकन करने के लिए पेंटिंग, ड्राइंग, कले—वर्क, टॉय—मेकिंग, प्रोजेक्ट्स और जांच आधारित अधिगम, छात्र पोर्टफोलियो, विवज, समूह कार्य, रोल प्ले इत्यादि का उपयोग किया जा सकता है क्योंकि ये संकेतक / अधिगम परिणाम अधिक व्यापक हैं।
- रिपोर्टिंग के लिए शिक्षक, छात्र और अभिभावकों के साथ सुविज्ञ बातचीत की जाती है।
- पूर्ण प्रगति की रिपोर्ट (360 डिग्री रिपोर्ट) करने के लिए अभिभावकों, सहपाठियों और स्व—मूल्यांकन का उपयोग किया जा सकता है।

(ii) बड़े पैमाने पर मानकीकृत मूल्यांकन:

राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़े पैमाने पर मूल्यांकन डाटा 'प्रणाली' पर कांट्रित है और राष्ट्र, राज्य या जिले के शैक्षिक ढांचे का वर्णन करती है। चूंकि इसमें 'प्रणालियों' के बीच तुलना शामिल है, इसलिए उपयोग किए जाने वाले उपकरणों और तकनीकों को मानकीकृत करने की आवश्यकता है। बड़े पैमाने पर मूल्यांकन अध्ययन करने के लिए आमतौर पर बहुविकल्पीय प्रश्न (एमसीक्यू) जैसे मूल्यांकन साधनों का उपयोग किया जाता है और लिखित उत्तरों को शामिल नहीं किया जाता ताकि प्रक्रिया को वस्तुनिष्ठ बनाया जा सके। ये मूल्यांकन यह निर्धारित करने हेतु एक तंत्र है कि अधिगम प्रक्रिया उनके राज्य, जिलों और ब्लॉकों में कितनी अच्छी तरह से हो रही है। इन अध्ययनों को 'मूल्यांकन ढांचे' को परिभाषित करके और इस स्पष्ट उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए भी किया गया है कि प्रणाली का मूल्यांकन करने, इसे जवाबदेह बनाने और अधिगम स्तर में सुधार करने के लिए कार्यनीतियों को परिभाषित करने के लिए मूल्यांकन अध्ययन का उपयोग कैसे किया जाएगा। प्रणाली स्तर की तैयारियों और कार्यप्रणाली को समझने के लिए वर्ष 2021 में मूलभूत अधिगम के लिए एनएएस का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा, एनसीईआरटी द्वारा एक अध्ययन किया जाएगा जो भारत की विभिन्न भाषाओं को मौखिक रूप से धारा प्रवाह पढ़ने के साथ—साथ मूलभूत साक्षरता के लिए पहला बड़े पैमाने का मूल्यांकन और बैंच मार्किंग अध्ययन होगा। इसकी परिकल्पना मुख्य राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) 2021 के तहत एक उप—प्रणाली अध्ययन के रूप में स्थापना करने के लिए की गई है जिससे कक्षाओं में उन्नति की तुलना में अधिगम स्तरों के बारे में जानने और समझने का भी पता लगाया जा सके।

इस प्रकार, बुनियादी स्तर पर शिक्षकों को बच्चों को खेलते समय, उनको अपना कार्य करते समय, प्रदर्शन करते या आपस में बातचीत करते समय देखना चाहिए, इससे उन्हें बच्चों की अभिभूति और सीखने से जुड़ी काफी जानकारी मिलेगी।

6. शिक्षण अधिगम प्रक्रिया: शिक्षक की भूमिका

बुनियादी शिक्षार्थियों को पढ़ाने वाले प्रत्येक शिक्षक के लिए यह समझना जरूरी है कि बच्चे विभिन्न तरीकों से सीखते हैं और प्रत्येक कक्षा में अलग—अलग अधिगम स्तर होते हैं, अर्थात्

- बच्चे तब ज्यादा सीखते हैं जब उन्हें कक्षा में बात करने और चर्चा करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अधिकांश कक्षाओं में, अधिकतर समय शिक्षक जब बात करते हैं तब बच्चे या तो एक साथ उत्तर देते हैं या चुप

होते हैं।

- गतिविधियों, जैसे कि मिलजुल कर दोहराना, ब्लैकबोर्ड से कॉपी करना, को बार बार मशीनी तरीके से किया जाता है और बच्चे इससे सीख नहीं पाते। बच्चे जल्दी ही अपनी रुचि खो देते हैं या अपने को अलग कर लेते हैं और उनका "कार्य ध्यान (टाइम ऑन टास्क)" कम हो जाता है। अधिकांश बच्चे शिक्षण के ज्यादातर समय में सक्रिय रूप से भाग नहीं ले पाते।
- बच्चे तब ध्यान नहीं देते यदि अधिगम प्रक्रिया में आनंद अथवा मनोरंजन का कोई भाव न हो।
- बच्चे पढ़ाई में तब रुचि नहीं लेते जब कक्षा कक्ष में पढ़ाई केवल पाठ्यपुस्तकों पर केंद्रित है और पाठ्यक्रम को पूरा करने पर ही जोर दिया जाता है और तब भी जब शिक्षण—अधिगम बच्चों के संदर्भ और वास्तविक दुनिया के अनुभवों से अलग होता है।
- शिक्षकों को उन बच्चों को अतिरिक्त सहायता प्रदान करनी चाहिए जो पिछड़ रहे हैं और यह अंतराल लगातार बढ़ता जा रहा है।
- बच्चों के कौशल या अवधारणा विकास की जांच करने के लिए कंटेंट्स की बजाय परीक्षाओं सहित शिक्षण मूल्यांकन पर आधारित ध्यान देना। शिक्षण में निरंतर मूल्यांकन को एकीकृत करना चाहिए।
- बच्चे अनौपचारिक गणितीय सौच के साथ स्कूल में दाखिला लेते हैं क्योंकि वे वास्तविक जीवन में सरल समस्याओं को हल करते हैं। इसलिए, कक्षा में गणित सीखने को बच्चे के बाहरी स्कूल अनुभवों के साथ जोड़ा जाना चाहिए।
- ज्यादातर कक्षाओं में बहुत कम बच्चों के पढ़ने की सामग्री या टीएलएम है। प्रायः, कक्षा में प्रदर्शित वर्णमाला और संख्या चार्ट होते हैं या कक्षा की दीवारों पर चित्रित होते हैं। इस प्रकार, बच्चों को पुस्तकों या अन्य शिक्षण सामग्री के साथ जुड़ने का कोई अवसर नहीं मिलता है। शिक्षकों को कक्षा में प्रिंट—समृद्ध और खिलौना—समृद्ध वातावरण प्रदान करना होगा।

शिक्षक क्षमता भी मूलभूत कौशल की प्राप्ति में एक केंद्रीय भूमिका निभाती है। वर्तमान में, कुछ शिक्षकों को एक बहुस्तरीय, नाटक—आधारित, सीखने की छात्र—केंद्रित शैली में प्रशिक्षित होने का अवसर मिला है, जो कि व्यापक ईसीईई अनुसंधान के अनुसार, प्रारंभिक कक्षा के छात्रों के लिए, विशेष रूप से ग्रेड 1 और 2 में बहुत महत्वपूर्ण है। स्कूल शिक्षा के चरणों में सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण में मौजूदा चुनौतियों को देखते हुए, एनसीईआरटी ने शिक्षक प्रशिक्षण का एक अभिनव एकीकृत कार्यक्रम तैयार किया था, जिसे अब निष्ठा (स्कूल प्रमुखों और शिक्षकों की समग्र उन्नति के लिए राष्ट्रीय पहल) के नाम से जाना जाता है। निष्ठा मॉडल का अनुसरण करते हुए, विशिष्ट सामग्री और शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शिक्षा के मूलभूत स्तर पर पढ़ाने वाले शिक्षकों के लिए प्री-स्कूल से लेकर प्रारंभिक प्राथमिक कक्षाओं तक सतत उर्ध्व निरंतरता को कवर करते हुए एक कस्टमाइजड एफएलएन पैकेज तैयार किया जाएगा।

7. एससीईआरटी / डाइट के माध्यम से शैक्षणिक सहायता:

एफएलएन मिशन के तहत, एससीईआरटी को व्यापक शिक्षक प्रशिक्षण मॉड्यूल और शिक्षकों के लिए अन्य संसाधनों को तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी, जिसमें स्थानीय भाषा भी शामिल होगी। साथ ही, ग्रेड 1 से 5 के लिए अतिरिक्त शिक्षण सामग्री, जो आकर्षक, आनंददायक और अभिनव होगी, को भी इस उद्देश्य के लिए विकसित करने की आवश्यकता होगी। दूसरी ओर, प्रत्येक डाइट विशेष रूप से एफएलएन के लिए एक शैक्षणिक संसाधन पूल बना सकता है, जिसमें के शिक्षक, शिक्षक प्रशिक्षक, जिला शिक्षा योजनाकारों और विश्वविद्यालय शिक्षा विभाग शिक्षण संस्थाओं के संकाय शामिल हैं। अतः एफएलएन मिशन के लिए एससीईआरटी और डाइट को मजबूत करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण प्रवर्तक निम्नलिखित हैं, जिन्हें राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को प्राथमिकता पर कार्य करना होगा:

- संकाय के विकास के अवसरों और व्यावसायिक विकास के लिए व्यापक संभावना, जिसमें सेमिनार, उन्नत और मिश्रित पाठ्यक्रम और फैलोशिप, शिक्षकों की संस्थागत तैनाती और सहयोगी शिक्षण और अनुसंधान शामिल हैं।

- एससीईआरटी और डाइट की क्षमता को बढ़ाते हुए उन्हें शैक्षणिक सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाना ताकि छात्रों के अधिगम परिणामों में सुधार किया जा सके। इसके तहत संरचित सहायता एससीईआरटी संकाय के क्षमता निर्माण कार्यक्रमों की वृद्धता और निरंतरता को सक्रिय रूप से बढ़ाकर और अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों के साथ कार्य करने के लिए एससीईआरटी के लिए अवसर पैदा करके प्रदान किया जा सकता है।
- एससीईआरटी और डाइट संकाय के मार्गदर्शन के लिए राष्ट्रीय संस्थानों/विश्वविद्यालयों की पहचान करना, जहां एफएलएन विशेषज्ञों को तैयार किया जा सके।
- राज्यों के बीच और भीतर सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान—प्रदान के लिए एक्सपोजर विजिट के माध्यम से विचारों और अनुभवों को साझा करने की संस्कृति विकसित करना।
- उस क्षेत्र में कार्य करने वाले अन्य अध्यापक शिक्षा और उच्चतर शिक्षा संस्थानों के साथ संकाय आदान—प्रदान और पारिवारिक बातचीत को सक्षम बनाया जाना चाहिए।
- संकाय की क्षमता निर्माण सुनिश्चित करना साथी समय के साथ संकाय शिक्षक व्यावसायिक विकास और स्कूल सुधार के प्रासंगिक विषय क्षेत्रों में सुपरियुक्त विशेषज्ञता प्राप्त कर सकें।
- एफएलएन मिशन के लिए विशिष्ट कार्यक्रमों पर प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ सहयोग की संभावनाओं का पता लगाना।
- मांग आधारित और कक्षा शिक्षण कार्यों एवं पूर्व में प्रदान किए गए प्रशिक्षणों पर किए गए शोध से सामने आई प्रशिक्षण आवश्यकताओं की पहचान करके सतत व्यावसायिक विकास की अवधारणा को व्यस्थित करना।

इसके अलावा, आवश्यक शिक्षण पूर्वापेक्षा के रूप में मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान पर नये सिरे से ध्यान देने के साथ बीआरसी और सीआरसी का डाइट के साथ तालमेल बिठाने और स्कूलों और शिक्षण गुणवत्ता की निगरानी करने एवं स्कूलों की सीधी सहायता हेतु कार्यक्रम बनाने के लिए उनके पर्यवेक्षण में काम करने की तत्काल आवश्यकता है। इस प्रकार, बीआरसी और सीआरसी मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान मिशन (एफएलएन) के लक्ष्य हेतु की जाने वाली गतिविधियों की प्रगति संबंधी निगरानी के लिए मुख्य एजेंसी होगी। इसके अंतर्गत, बीआरसी स्तर पर एक नोडल अधिकारी नामित किया जाएगा जो एफएलएन के संबंध में कार्यकलापों के सभी आयामों में सहायता करने वाला एवं जागरूक पर्यवेक्षक के रूप में कार्य करेगा। इसके अलावा, जो स्कूल यह मानते हैं कि उन्होंने लक्ष्यों/उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया है अपने को उत्कृष्ट अधिगम समूह (पाकेट ऑफ लर्निंग एक्सिलेंस) (पीओएलई) घोषित कर सकते हैं और बीआरसी/सीआरसी और एफएलएन ब्लॉक स्तर के नोडल व्यक्ति को इस बात का सत्यापन करने और सुधार संबंधी उपाय सुझाने के लिए स्कूल का दौरा करने हेतु आंमत्रित कर सकते हैं।

8. दीक्षा—डिजिटल संसाधनों की डिपॉजिटरी:

राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा छात्र—कॅंट्रित, परिणाम—कॅंट्रित शिक्षण के साथ स्थानीय भाषा/भाषाओं में अधिगम—शिक्षण ई—कंटेंट पर ध्यान कॅंट्रित करते हुए दीक्षा पोर्टल को नए पाठ्यचर्चा फ्रेमवर्क के साथ जोड़ा जाएगा। प्रौद्योगिकी के प्रति पहुंच, समानता में योगदान देगी और राष्ट्र के शिक्षण स्तर को स्तरीय बनाने में सहायता करेगी। राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों को प्रत्येक प्राथमिक स्कूल में प्रौद्योगिकी प्रयोग को लाने के लिए प्रयास करने की जरूरत होगी। शिक्षुओं के लिए, एनसीईआरटी द्वारा हिंदी और अंग्रेजी में गणित और पठन साक्षरता (एनसीईआरटी पाठ्यचर्चा पर आधारित) के लिए उच्च गुणवत्ता वाले कंटेंट्स को तैयार और दीक्षा पर अपलोड किया जाएगा और एनसीईआरटी द्वारा प्रति कक्षा प्रति विषय कम से कम 500 स्तरीय विषयों सहित इन्हें और उनके संदर्भों को स्थानीय भाषाओं में अपलोड किया जाएगा ताकि प्रत्येक कक्षा के प्रत्येक विषय के अधिगम परिणामों का मापन किया जा सके जिससे प्रत्येक विषय में दक्षता के ग्रेड स्तर का मूल्यांकन किया जा सके। इसके अलावा, प्रशिक्षण मॉड्यूल्स, हैंड—आउट, वीडियो, पठन—संसाधन जैसी प्रशिक्षण सत्र के लिए सहयोगी सामग्री, प्रदर्शन हेतु शिक्षण—अधिगम सामग्री और अभ्यास एवं अनुदेशीय कार्यनीतियों का उपयोग, अध्यापक हैंड—बुक, कार्यकलाप बुकलेट्स आदि सहित विभिन्न अध्यापक प्रशिक्षण संसाधन उपलब्ध करवाए जाएंगे। एनसीईआरटी इसी सामग्री

को स्थानीय भाषा और उसके संदर्भ में तैयार करेगी। इसके अलावा, अध्यापकों के लिए डिजिटल पाठ—योजना के लिए दीक्षा का प्रयोग किया जाएगा। अध्यापकों द्वारा दीक्षा मोबाइल ऐप्स के जरिए पाठ—योजनाओं को सरलता से एक्सेस किया जा सकता है। यह महत्वपूर्ण है कि पाठ गतिविधि आधारित हों और इनमें ऐसे उदाहरण हों जिन्हें बच्चे अन्य चीजों के साथ जोड़ सकें।

9. अभिभावक और सामुदायिक सहभागिता:

सामुदायिक भागीदारी एफएलएन मिशन के कार्य की योजना, कार्यान्वयन और निगरानी में एक केंद्रीय और व्यापक कारक होगा। एफएलएन पर राष्ट्रीय मिशन समुदाय, माता—पिता, शिक्षकों और बच्चों की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में कार्य करेगा। इस तरह के बड़े पैमाने पर जुटने और सक्रिय भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए, राज्य और जिला एफएलएन पीएमयू/कार्यालयों को अनुबंधी और सक्रिय सिविल सोसायटी संगठनों के साथ हाथ मिलाना होगा।

कोविड—19 महामारी के दौरान यह भी पाया गया है कि जूब-स्कूल बंद होते हैं, तब सभी बच्चों में से लगभग तीन चौथाई को परिवार के सदस्यों से कुछ न कुछ सीखने को मिला। विशेष रूप से, यहाँ तक कि उन बच्चों में भी जिनके ना तो माता—पिता किसी ने भी प्राथमिक विद्यालय से आग की पढ़ाई की है, परिवार के सदस्यों ने सहायता प्रदान की है। इन घरों में बच्चों को सीखने में सहायता करने में बड़े भाई—बहनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस प्रकार, एफएलएन मिशन सभी स्तरों पर उत्तरदायित्व की भावना के बढ़ावा देकर सफल हो सकता है इस प्रकार घरों और समुदायों को स्कूल आधारित शिक्षा के विस्तार के रूप में कार्य करने के लिए सशक्त बनाया जा सकता है। इस जुड़ाव को बनाए रखने के लिए, सरकारी और निजी स्कूलों, स्थानीय निर्वाचित निकायों, गांव, माता—पिता और बच्चे सहित इस पारिस्थितिकी तंत्र में प्रत्येक हितधारक की भागीदारी के साथ नियमित आवृत्ति पर कई तरह के कार्यक्रमों की योजना बनाई जा सकती है। माता—पिता की सहभागिता बनाने के लिए चिह्नित कुछ महत्वपूर्ण तरीके इस प्रकार हैं:

- **माताओं के समूह:** प्रत्येक ग्रेड के लिए, प्रत्येक बस्ती या मौहल्ले में, माताओं के समूह का गठन उन बच्चों के लिए किया जा सकता है जो मूलभूत अवस्था में हैं। ये समूह समय—समय पर बच्चों के साथ—साथ विभिन्न शिक्षण गतिविधियों (बुनियादी पठन और अंकगणितीय गतिविधियों) को पूरा करने के लिए समय—समय पर मिल सकते हैं। उनके पास एक मंच भी है जिस पर शिक्षक या आंगनवाड़ी कार्यकर्ता संपर्क बनाने के लिए समुदाय को मार्गदर्शन प्रदान कर सकते हैं।
- **छात्रों का सुचारू कक्षा—अंतरण:** कक्षा—I में प्रवेश से पहले महीनों में आंगनवाड़ियों/प्री—स्कूल से कक्षा—I में सुचारू कक्षा अंतरण सुनिश्चित करने के लिए, आंगनवाड़ी शिक्षक और कक्षा—I शिक्षक को एक दूसरे के स्थान पर मिलना और जाना चाहिए। यदि संभव हो, तो आने वाले महीनों में कक्षा—I में प्रवेश करने वाले सभी बच्चे कक्षा—I के स्कूल में नामांकन से कुछ महीने पहले जा सकते हैं। सहयोग के लिए आंगनवाड़ी शिक्षा और कक्षा—I शिक्षक के लिए सुझाए गए दिशानिर्देशों को राज्यों, संघ राज्य क्षेत्रों और एससीईआरटी द्वारा रेखांकित किया जा सकता है।
- **पीआरआई (पंचायती राज संस्थाएं) की भूमिका:** पीआरआई माता—पिता और समुदाय के बीच जागरूकता पैदा करने में एक सक्रिय भूमिका निभाते हैं। ब्लॉक स्तर पर, इच्छुक सरपंच/वार्ड सदस्य एफएलएन कार्यक्रम आयोजित करने अर्थात् एक साथ पढ़ना, एक साथ सीखना और विभिन्न गतिविधियों का संचालन करने के लिए एफएलएन नोडल व्यक्ति से संपर्क कर सकते हैं।
- इसके अतिरिक्त, समुदाय बच्चों को एफएलएन के भाग के रूप में नई चीजें सीखने में सहायता कर सकता है:
 - स्कूलों/चौपाल में बच्चों को कहानियाँ सुनाना और बताना, जहाँ दादा—दादी और युवा इसमें सक्रिय भूमिका निभा सकते हैं।
 - विभिन्न प्रकार के कौशल और कार्य (एक्सपोजर) के संबंध में बच्चों को उन्मुख करना: बढ़ई, दुकानदार, दर्जा, डॉक्टर आदि) गाँव में बच्चों को अपने पास बुला सकते हैं या उन्हें संबोधित कर सकते हैं और

समझा सकते हैं कि वे क्या करते हैं।

इसके अतिरिक्त, बेहतर अधिगम परिणामों की ओर ध्यान केंद्रित करने के लिए, समुदायों और अभिभावकों को बच्चों के अधिगम स्तर से अवगत कराना चाहिए। यह बच्चों के अधिगम स्तर के बारे में माता-पिता और शिक्षकों के बीच एक स्वरथ बातचीत शुरू करने की दिशा में एक कदम हो सकता है। इस दिशा में, सभी स्कूल जाने वाले बच्चों के लिए एक सामुदायिक जागरूकता मेला का आयोजन वार्षिक रूप से राष्ट्रीय एफएलएन सप्ताह के दौरान या किसी अन्य तारीख को आयोजित किया जा सकता है, जैसा कि राज्य द्वारा तय किया जाता है। इसके अतिरिक्त, सभी माता-पिता को बच्चों को घर आधारित शिक्षण सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाने के लिए, प्रौद्योगिकी आधारित और व्यक्तिगत मॉडल को शुरू किया जा सकता है। प्रत्येक घर को आसानी से की जाने वाली मजेदार गतिविधियां करने के लिए और कार्य पुस्तिकाएँ प्रदान की जा सकती हैं। नियमित रूप से उनके जुड़ाव को सुनिश्चित करने के लिए, पूर्व-रिकॉर्ड किए गए कॉल और वीडियो के माध्यम से स्वचालित अनुस्मारक और निर्देश माता-पिता को भी भेजे जा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, एसएमसी / एसडीएमसी द्वारा सामुदायिक स्तर की सहायता नियमित रूप से माता-पिता को प्रदान की जा सकती है।

10. स्कूल की तैयारी / स्कूल तैयारी मॉड्यूल:

स्कूल की तत्परता शिक्षा की पहुंच में गुणवत्ता और समता सुनिश्चित करने के साथ-साथ अधिगम परिणामों में सुधार करने का आधार है। स्कूल की तत्परता के लिए एक सरल परिभाषा यह हो सकती है कि एक बच्चा जो स्कूल के लिए तैयार है उसके पास विभिन्न प्रकार के डोमेन में बुनियादी न्यूनतम कौशल और ज्ञान हों जो उसे स्कूल में सफल होने में सक्षम बनाते हैं। राष्ट्रीय प्रारंभिक बाल्यवस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) पाठ्यचर्या की रूपरेखा, जो कि महिला और बाल विकास मंत्रालय (एमडबल्यूसीडी) द्वारा विकसित है, ने स्पष्ट किया है कि “बच्चों, स्कूलों और परिवारों को तब तैयार माना जाता है जब वे अन्य आयामों के साथ इंटरफेस करने के लिए आवश्यक दक्षता और कौशल प्राप्त कर लेते हैं और घर से प्रारंभिक बाल्यवस्था देखभाल और शिक्षा (ईसीसीई) केंद्र तथा बाद में प्राथमिक स्कूल में बच्चों के सुचारू रूप से पारगमन का समर्थन करें।”

एनईपी-2020 ने एनसीईआरटी द्वारा पहली ग्रेड के सभी छात्रों के लिए ‘3 महीने के खेल-आधारित ‘स्कूल तैयारी मॉड्यूल’ के विकास की सिफारिश की है, जो कि एक अंतरिम उपाय के रूप में यह सुनिश्चित करने के लिए है कि सभी बच्चे स्कूल के लिए तैयार हों जब तक कि गुणवत्तापूर्ण पूर्वस्कूली शिक्षा का सार्वभौमिक प्रावधान प्राप्त न हो जाए। स्कूल तैयारी मॉड्यूल (एसपीएम) अनिवार्यतः लगभग 12 सप्ताह का हो जिसमें पहली कक्षा की शुरुआत में बाल विकास अनुरूप अनुदेश हो और जिसे बच्चे की पूर्व-साक्षरता, पूर्व-संख्या ज्ञान, संज्ञानात्मक और सामाजिक कौशल को सशक्त बनाने के लिए तैयार किया गया हो। यह उम्मीद की जाती है कि इस मॉड्यूल में अक्षरों, धनियों, शब्दों, रंगों, आकृतियों और संख्याओं के बारे में सीखने संबंधी गतिविधियाँ और कार्यपुस्तिकाएँ शामिल होंगी और साथियों और माता-पिता का सहयोग सम्मिलित होगा। तदनुसार, एनसीईआरटी ने 3 महीने का खेल आधारित ‘स्कूल तैयारी मॉड्यूल’ विकसित किया है जिसे राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा उनकी आवश्यकता अनुसार अपनाया जा सकता है। एनईपी 2020 की परिकल्पना के अनुसार, समग्र शिक्षा यह भी प्राथमिकता देगी कि 5 वर्ष की आयु से पूर्व हर बच्चा एक “प्रिप्रेटरी कक्षा” या “बालवाटिका” (अर्थात् कक्षा 1 से पहले) में जा सकेगा। इन प्रिप्रेटरी कक्षाओं में अधिगम मुख्य रूप से खेल-आधारित शिक्षा पर आधारित होना चाहिए, जिसमें संज्ञानात्मक, भावात्मक, और मनोप्रेरक क्षमताओं के विकास और प्रारंभिक साक्षरता और संख्या ज्ञान को विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया हो।

11. राष्ट्रीय मिशन—पहलु और दृष्टिकोण:

राष्ट्रीय मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान मिशन का उद्देश्य वर्ष 2026–27 तक प्राथमिक कक्षाओं में सार्वभौमिक मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त करना है और यह सुनिश्चित करना है कि सभी बच्चे ग्रेड III तक पढ़ने, लिखने और संख्या ज्ञान में ग्रेड स्तर की योग्यता प्राप्त करें। एनईपी 2020 की सिफारिशों पर आधारित प्रमुख उद्देश्य इस प्रकार हैं:

- खेल, खोज और गतिविधि-आधारित शिक्षण को शामिल करके एक समावेशी कक्षा का वातावरण सुनिश्चित

करना, इसे बच्चों की दैनिक जीवन से संबंधित स्थितियों से जोड़ना और बच्चों की मातृ भाषाओं का औपचारिक समावेश करना।

- बच्चों को प्रेरित, आत्मनिर्भर और एकाग्रचित पाठक और लेखक बनाना जिनमें सतत पठन एवं लेखन संबंधी कौशलों की समझ विकसित हो।
- बच्चों को संख्या, माप और आकार संबंधी तर्क समझने के योग्य बनाना और उन्हें संख्या ज्ञान और स्थानीय समझ कौशल के माध्यम से समस्या को हल करने में आत्मनिर्भर होने के लिए सक्षम बनाना।
- बच्चों की परिचित / घरेलू/ मातृ भाषाओं में उच्च गुणवत्ता और सांस्कृतिक रूप से उत्तरदायी शिक्षण अधिगम सामग्री की उपलब्धता और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना।
- शिक्षकों, मुख्य शिक्षकों, शैक्षणिक संसाधन व्यक्तियों और शिक्षा प्रशासकों के निरंतर क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना।
- आजीवन सीखने की एक मजबूत नींव बनाने के लिए सभी वित्तधारकों अर्थात् शिक्षकों, माता-पिता, छात्रों और समुदाय, नीति निर्माताओं के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना।
- विभागों, समूह और सहयोगी कार्य, परियोजना कार्य, प्रश्नोत्तरी, रोल स्ट्रेंग, खेल, मौखिक प्रस्तुतियों, लघु परीक्षणों आदि के माध्यम से 'के रूप में और के लिए' मूल्यांकन सुनिश्चित करना।
- सभी छात्रों के सीखने के स्तर की ट्रैकिंग सुनिश्चित करना।

मूलभूत शिक्षा पर जोर देने और उसको प्राथमिकता देने के लिए, मौजूदा मुख्यधारा की संरचनाओं के उपयोग और उसके सुदृढ़ीकरण के साथ इस कार्यक्रम को मिशन मोड में लागू किया जाएगा। स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय राष्ट्रीय स्तर पर कार्यान्वयन एजेंसी होगी और इसके अध्यक्ष मिशन निदेशक होंगे।

12. मिशन की रणनीतिक योजना:

राष्ट्रीय स्तर पर मिशन 2026–27 तक राष्ट्रीय और राज्य–स्तरीय लक्ष्य निर्धारित करने के लिए जिम्मेदार होगा, स्वतंत्र रूप से उनके खिलाफ प्रगति को मापना, समग्र शिक्षा के तहत राज्यों को धन उपलब्ध कराना और सार्वजनिक वस्तुओं और संसाधनों के निर्माण सहित राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और सलाहकार सहायता प्रदान करना। अपने संबंधित एफएलएन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बहु–वर्षीय कार्य योजना बनाने की जिम्मेदारी राज्यों की होगी, और वर्ष 2026–27 तक ग्रेड III तक मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान प्राप्त करने के लिए उपयुक्त भागीदारों की पहचान सुनिश्चित करना और उनके साथ काम करना। रणनीतिक योजना में मिशन के लिए निम्नलिखित व्यापक केन्द्रित क्षेत्र शामिल होंगे:

- **लक्ष्य स्थापना:** राष्ट्रीय मिशन सीखने के परिणामों को प्राप्त करने हेतु समग्र राष्ट्रीय लक्ष्य घोषित करेगा, जिसमें वर्ष 2026–27 तक प्रत्येक राज्य / संघ राज्य क्षेत्र द्वारा प्राप्त किए जाने वाले वर्षावार परिणाम भी शामिल होंगे। मिशन के उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए समग्र साक्षरता और संख्यात्मक लक्ष्य को मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान के लक्ष्य के रूप में स्थापित किया जाता है जो कि बालवाटिका से शुरू होते हैं।
- **शैक्षणिक पहलू और पाठ्यक्रम:** नए राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा बहुभाषावाद को मजबूत करने, नवीन शिक्षणशास्त्र का उपयोग, शिक्षण अधिगम सामग्री की विविधता, बुनियादी वर्षों में मातृभाषा में शिक्षण–अधिगम के लिए मार्ग प्रशस्त करना, शिक्षा में प्रौद्योगिकी और भारतीय नैतिकता, भाषाओं, कला और संस्कृति में निहित पाठ्यक्रम और शिक्षाशास्त्र को शामिल करना, जो शिक्षार्थियों को स्वदेशी ज्ञान, अनुभव, कौशल और साहस के साथ 21 वीं सदी की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करेगी।
- **क्षमता निर्माण:** क्षमता निर्माण का उद्देश्य शिक्षक के नेतृत्व वाली प्रक्रिया से ध्यान हटाकर शिक्षार्थी के नेतृत्व वाली गतिविधि और अनुभव–आधारित अधिगम प्रक्रिया पर ध्यान केंद्रित करना होगा, जहां अवधारणाओं और विषयों का

सीखना केवल तभी पूरा माना जाएगा, जब शिक्षार्थी वास्तविक जीवन की स्थितियों में समस्याओं को हल करने के लिए इनके अनुप्रयोग को प्रदर्शित करने में सक्षम हो।

- **शिक्षण अधिगम सामाग्री और कक्षा अभ्यास:** मुख्य शिक्षण सामग्री (अर्थात् अधिगम परिणामों से जुड़ी पाठ्यपुस्तकों), के अलावा एनसीईआरटी, सीबीएसई, केवीएस और एससीईआरटी द्वारा बुनियादी स्तर के लिए अत्यधिक आकर्षक, आनंदपूर्ण और नवीन अतिरिक्त अधिगम संसाधनों का विकास किया जाना।
- **अधिगम मूल्यांकन:** छात्रों की प्रगति और उपलब्धियों का मूल्यांकन स्कूलों और राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा निम्नलिखित स्तरों पर होगा:
 - स्कूल आधारित मूल्यांकन
 - बड़े पैमाने पर मूल्यांकन (एनएएस, एसएएस और तृतीय पक्ष मूल्यांकन सहित)
 - हितधारकों की नियोजनीयता और आईईसी: बृहत्तर जागरूकता पैदा करने और समुदाय का समर्थन हासिल करने के लिए निम्नलिखित कांटूसरों के बीच किए जाने की आवश्यकता होगी:
 - एफएलएन की आवश्यकता, अधिगम के परिणामों और लक्ष्यों पर आलेख जानकारी।
 - स्कूल से अभिभावक के लिए संचार सामग्री, राष्ट्रीय/संघ राज्य क्षेत्रों से शिक्षकों/स्कूलों के लिए संचार सामग्री आदि।
 - सभी हितधारकों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों का उपयोग करना।
- **मजबूत आईटी प्रणाली:**

बड़े डेटा एनालिटिक्स के साथ एक मजबूत आईटी (सूचना प्रौद्योगिकी) प्रणाली मिशन का एक अभिन्न हिस्सा होगा। आईटी प्रणाली के डिजाइन में तीन घटक होंगे अर्थात् राष्ट्रीय और राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्तर पर य राज्य/संघ राज्य क्षेत्र स्तर से नीचे की ओर स्कूल स्तर तक य और स्कूल स्तर पर—मूल्यांकन के लिए एक उपकरण के रूप में आईटी।

इसके अलावा, आलोचनावादी समर्थक के रूप में राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा पूर्वांकितों के रूप में प्रशासनिक सुधार किए जाने की आवश्यकता है ताकि बुनियादी चरण के लिए परिकल्पित किए गए लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सके। वंचित या सामाजिक-आर्थिक रूप से वंचित समूह (एसईडीजी) क्षेत्रों, विशेष शिक्षा क्षेत्रों (एसईजेड) और आकांक्षी जिलों में शिक्षकों की उपलब्धता पर विशेष जोर दिया जाएगा। इसके अलावा, इस मिशन के लक्ष्यों को प्राप्त करने में राज्य/जिलों/ब्लॉकों के प्रदर्शन को मापा जाएगा और इसे प्रोत्साहन के साथ जोड़ा जाएगा।

13. मिशन कार्यान्वयन में विभिन्न हितधारकों की भूमिका:

- **स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, शिक्षा मंत्रालय:** यह विभाग राष्ट्रीय स्तर पर एफएलएन मिशन की कार्यान्वयन एजेंसी होगा। समग्र शिक्षा योजना के तहत यह विभाग राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को वित्तीय सहायता भी प्रदान करेगा।
- **राज्य और संघ राज्य क्षेत्र:** मिशन मोड में, 2026–27 तक मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। इसके लिए निम्नलिखित गतिविधियां सुनिश्चित करने की जरूरत हैं:
 - संबंधित एफएलएन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बहु-वर्षीय कार्य योजना बनाना।
 - वार्षिक लक्ष्यों पर काम करना और वार्षिक प्रगति के मापन के लिए केंद्रीय स्तर पर विकसित किए गए उपकरणों के अनुकूल होना।
 - एनएएस में पहचान किये गए अंतरालों के आधार पर राज्य विशिष्ट चरण—वार कार्य योजना तैयार करके राष्ट्रीय मिशन को प्रासंगिक बनाना।

- प्री—प्राइमरी से लेकर ग्रेड 3 तक प्रत्येक स्कूल में प्रत्येक कक्षा में पर्याप्त संख्या में शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करना और मिशन मोड में एफएलएन को लागू करने के लिए शिक्षकों का व्यापक क्षमता निर्माण करना।
 - बुनियादी ग्रेड में नामांकित प्रत्येक बच्चे के डेटाबेस की मैपिंग।
 - आवश्यकताओं की मैपिंग और मूलभूत सुविधाओं की सुनिश्चितता।
 - शैक्षणिक सत्र की शुरुआत से पहले छात्रों को पाठ्य पुस्तकों और वर्दी का वितरण सुनिश्चित करना।
 - शिक्षकों को अकादमिक सहायता प्रदान करने के लिए परामर्शदाताओं के समूह की पहचान करना।
 - स्कूल / सार्वजनिक पुस्तकालयों को शिक्षण अधिगम प्रक्रिया का अभिन्न अंग बनाया जाएगा।
 - एसएमसी सदस्यों को प्रशिक्षण, अधिगम परिणाम के वांछित स्तर को समझाने के लिए अभिभावकों और समुदाय के लिए जागरूकता अभियान।
- राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी): एनसीईआरटी मूलभूत साक्षरता और संख्या ज्ञान को प्राप्त करने के इस राष्ट्रीय उद्देश्य को पूरा करने और प्राप्त करने में निम्नलिखित गतिविधियों के संचालन के माध्यम से महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा:
 - ईसीई ढांचे के लिए एक निरंतरता के रूप में, मूलभूत चरण के लिए विशेषज्ञों के सहयोग से शिक्षार्थी—केंद्रित शिक्षण के साथ एफएलएन पर ध्यान केंद्रित करते हुए पाठ्यचर्या और शैक्षणिक ढांचा विकसित करना।
 - बुनियादी चरण के शिक्षकों के लिए एक विशेष क्षमता निर्माण पैकेज तैयार करना और उपयुक्त अधिगम संवर्धन कार्यक्रम विकसित करना।
 - आकलन के माध्यम से अंतराल का विश्लेषण करना और मूलभूत अधिगम को प्राथमिकता देने के लिए उपकरण और सूचकांक विकसित करना।
 - ग्रेड—I में प्रवेश करने वाले छात्रों के लिए 3 महीने का खेल—आधारित स्कूल तैयारी मॉड्यूल विकसित करना ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि ग्रेड—I में स्कूल में शामिल होने वाले सभी छात्र स्कूल जाने के लिए तैयार हैं।
- केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई): सीबीएसई बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान संबंधी अधिगम परिणाम मैट्रिक्स का पालन करते हुए सीबीएसई से संबद्ध स्कूलों में क्षमता—आधारित शिक्षा अवधारणा को शामिल करेगा, साथ ही इसकी निगरानी करेगा और स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग को सूचित भी करेगा। यह प्राथमिक स्तर के लिए अधिगम परिणाम हेतु कोडीकरण और मैट्रिक्स विकसित करने के लिए एनसीईआरटी के साथ भी कार्य करेगा और बुनियादी साक्षरता एवं संख्याज्ञान के लिए ईसीसीई और प्राथमिक शिक्षकों के क्षमता निर्माण में केन्द्रीय भूमिका भी निभाएगा।
- केंद्रीय विद्यालय संगठन (केविएस): केविएस स्कूलों को मिशन मोड में ग्रेड 3 तक सभी छात्रों द्वारा बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान ज्ञान प्राप्त करने हेतु मॉडल स्कूलों के रूप में विकसित किया जाएगा। इसे सुचारू बनाने हेतु, प्राथमिक स्तर पर क्षमता—आधारित शिक्षा का समावेश करने और सीबीएसई और एनसीईआरटी द्वारा विकसित किए गए अधिगम परिणाम मैट्रिक्स को अपनाने में केविएस अग्रणी भूमिका में होंगे।
- राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी): एससीईआरटी को पाठ्यक्रम की डिजाइनिंग और विकास/अनुकूलन, अनुदेशात्मक डिजाइन, शिक्षकों और शैक्षणिक संसाधन व्यक्तियों की क्षमता निर्माण, स्थानीय स्तर पर प्रासंगिक शिक्षण अधिगम सामग्री विकसित करने, शिक्षकों के व्यापक क्षमता निर्माण, शिक्षकों के लिए स्थानीय भाषा में प्रशिक्षण मॉड्यूल और अन्य संसाधनों के विकास का उत्तरदायित्व सौंपा जाएगा।

इसके अतिरिक्त, बुनियादी चरण के लिए अतिरिक्त अधिगम सामग्री, जो समावेशी, रुचिकर और नूतन है, को स्थानीय विशेषज्ञों को शामिल करके स्थानीय संदर्भ पर विशेष जोर देते हुए विकसित करने की भी आवश्यकता होगी।

- **जिला शिक्षा और प्रशिक्षण संस्थान (डाइट):** जिला स्तर पर जिला—विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने हेतु सुचारू ढंग से कार्य करने की सुगमता के साथ स्वायत्त संरथाओं के रूप में उभरने के लिए डाइट को प्रोत्साहित किया जाना है। इसके तहत, प्रत्येक डाइट एफएलएन के लिए विशेष रूप से एक शैक्षणिक संसाधन पूल विकसित कर सकता है, जिसमें शिक्षक, शिक्षक प्रशिक्षक, जिला शिक्षा नियोजक और विश्वविद्यालय शिक्षा विभाग के संकाय शामिल हों।
- **जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) और खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ):** एफएलएन मिशन के तहत डीईओ और बीईओ की प्रमुख भूमिका, संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा स्कूलों को प्रदान किए गए निःशुल्क पाठ्यपुस्तकों, यूनिफॉर्म, शिक्षण अधिगम सामग्री और किसी भी अन्य संसाधनों का समय पर वितरण सुनिश्चित करना है। इसके अलावा, डीईओ और बीईओ, एफएलएन संबंधी विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों का ध्यान रखेंगे और अपने अधिकार क्षेत्र में प्राथमिक शिक्षकों का क्षमता निर्माण सुनिश्चित करेंगे।
- **ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) और क्लस्टर संसाधन केंद्र (सीआरसी):** ब्लॉक और क्लस्टर स्तर पर एफएलएन मिशन के लक्ष्यों की तुलना में क्रियाकलापों की प्रगति की निगरानी और पर्यवेक्षण के लिए बीआरसी और सीआरसी दोनों प्रमुख एजेंसी होंगी। परिणामतः वे एफएलएन के लिए एक व्यापक गुणवत्ता सुधार योजना तैयार कर सकते हैं।
- **मुख्य शिक्षक और शिक्षक:** सभी बच्चों के लिए बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान के लक्ष्य की प्राप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम शिक्षकों की व्यापक क्षमता निर्माण करना होगा। परिणामस्वरूप मुख्य शिक्षकों को शिक्षाशास्त्र के नेतृत्वकर्ताओं के रूप में नेतृत्व करने की आवश्यकता होगी, जबकि शिक्षकों को अपने प्रत्येक ग्रेड/विषयों में अपनी कक्षा—कक्ष शिक्षण के माध्यम से प्राप्त किए जाने वाले अधिगम परिणामों के बारे में स्पष्ट होने की आवश्यकता होगी।
- **गैर—सरकारी संगठन (एनजीओ) / सिविल सोसाइटी संगठन (सीएसओ):** अपने संबंधित एफएलएन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए, राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को एनजीओ/सीएसओ के साथ काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा जो बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान में विशेषज्ञता रखते हों। निम्नलिखित कुछ क्षेत्र ऐसे हैं, जिसमें गैर—सरकारी संगठन और अन्य सिविल सोसाइटी संगठन एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं:
 - क्षमता निर्माण और संसाधनों का विकास
 - सतत गतिशीलता और जागरूकता सृजन
 - समुदाय भागीदारी सहित सामाजिक लेखा परीक्षा की प्रक्रिया की सुविधा प्रदान करना
- **स्कूल प्रबंधन समितियां (एसएमसी), समुदाय और अभिभावक:** शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में एसएमसी, समुदाय और माता—पिता की सक्रिय भागीदारी से पूरे स्कूल की शिक्षा प्रणाली में जवाबदेही और स्थायित्व के बहु—वांछित घटक को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, माता—पिता और समुदाय की भूमिका यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण होगी कि बच्चे नियमित रूप से स्कूल जाते हैं और उनके घर का वातावरण बच्चों को विभिन्न क्रियाकलापों के माध्यम से उनके अधिगम में प्रगति के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान करता है।
- **स्वयंसेवक:** राज्य और संघ राज्य क्षेत्र वर्ष 2026–27 तक सभी ग्रेड 3 छात्रों के लिए बुनियादी साक्षरता और संख्याज्ञान को प्राप्त करने के लक्ष्य के लिए योगदान करने में पीयर समूहों और अन्य स्थानीय स्वयंसेवकों को जोड़ने के लिए अपने स्वयं के दिशानिर्देश तैयार करेंगे।

सत्यमेव जयते

- **निजी स्कूल:** यह और अधिक महत्वपूर्ण हो गया है कि निजी स्कूल मुख्य चरण मूल्यांकन में भाग लेते हैं जो बुनियादी दक्षताओं और अवधारणाओं के अनुप्रयोग की जांच करते हैं। इसी तरह, निजी स्कूलों को बुनियादी अधिगम के महत्व पर जागरूकता बढ़ाने और बच्चों के अधिगम परिणामों पर इसके प्रभाव के प्रति लक्षित संचार में निजी स्कूलों को शामिल करना भी आवश्यक होगा।

14. निगरानी और सूचना प्रौद्योगिकी ढांचा :

- यह मिशन राष्ट्रीय स्तर, राज्य स्तर और जिला स्तर पर आईटी आधारित समाधानों के माध्यम से मिशन की गतिविधियों की निगरानी करेगा जिसमें क्षेत्र स्तर पर प्रत्येक बच्चों की निगरानी शामिल होगी। प्रस्तावित निगरानी ढांचा अनिवार्य रूप से दो प्रकार का होगा: वार्षिक निगरानी सर्वेक्षण और समवर्ती निगरानी। इसके अलावा, एफएलएन के लिए प्राथमिकताएं लक्ष्यों में उल्लिखित हैं और इन्हें दीक्षा और यूडाइस् जैसे मौजूदा भवन ब्लॉकों का लाभ उठाकर प्राप्त किया जा सकता है, जिसे पंजीकरणों और पहचान के लिए ओपन सोर्स ट्रूल्स और समाधानों का लाभ उठाकर संवर्धित किया जा सकता है। जबकि साथ ही साथ निम्नलिखित के अनुसार एनडीईएआर द्वारा निर्धारित सिद्धांत और मानकों का पालन किया जाएगा:
- मौजूदा मॉड्यूलस का मूल्यांकन किया जा सकता है, जिसे एफएलएन के लिए अपग्रेड और लाभप्रद बनाया जा सकता है।
- एनडीईएआर सिद्धांतों का अनुपालन करने हेतु अनुपस्थित आवश्यक बिल्डिंग ब्लॉक्स को नीतिगत लक्ष्यों के लिए विकसित किया जा सकता है।
- एमओई के नेतृत्व में एनडीईएआर संस्थागत ढांचा उन क्षेत्रों की पहचान कर सकता है जहां उपरोक्त नीति लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए मानकों, विशिष्टताओं और नीतियों का पालन करने की आवश्यकता है।

एफएलएन डेटा संग्रह और मापन के लिए फ्रेमवर्क और वास्तुकला से विशेष संग्रह अभियान, विभिन्न प्रणालियों से डेटा संग्रह, सिंक्रनाइजेशन, मैनुअल अपलोडिंग आदि की आवश्यकता के बिना कई स्रोतों से एवं अलग-अलग मात्रा और विभिन्न जगहों तथा स्तरों पर स्वचालित डेटा संग्रह और मिलान सक्षम होना चाहिए।

15. मिशन की स्थिरता :

स्थायी और सफल सरकारी कार्यक्रमों जैसे, पोलियो उन्मूलन और स्वच्छ भारत मिशन, से एफएलएन मिशन के लिए कुछ प्रमुख अंतर्दृष्टि:

- नेतृत्व को शामिल किया जाना महत्वपूर्ण है। निगरानी गतिविधियों में पीएमओ, सीएम, शिक्षा सचिवों और जिला कलेक्टरों के शामिल होने से सावधानी और प्राथमिकता बढ़ती है। निरंतर निगरानी और स्वामित्व की आवश्यकता होती है।
- पूर्ण पहुँच के लिए, स्थानीय प्रभावशाली व्यक्तियों के साथ राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्ध व्यक्तियों को जोड़ते हुए सामुदायिक स्तर पर इन्फ्लुएंसर मैपिंग आवश्यक है।
- बहुत ही प्राथमिक स्तर पर आउटकम ट्रैकिंग और मेजरमेंट से संवेदनशील क्षेत्रों के संबंध में स्पष्टता, लक्ष्य प्राप्त करने के लिए मैप डिस्टेन्स की क्षमता और लक्ष्य प्राप्ति के लिए नवाचार आता है।
- सहज और आसानी से समझे जाने वाले लक्ष्य के प्रति विस्तृत समझ पर विशेष ध्यान।
- प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, जिला मैजिस्ट्रेट और "ग्राम प्रेरक" स्तरों से प्रत्येक स्तर पर उच्च स्तरीय और अत्यधिक योग्य निगरानी प्रणाली।
- मुख्य स्टेकहोल्डरों के प्रयासों को पहचानने का महत्व।

इसके अतिरिक्त, यह सुनिश्चित करना कि मिशन का लक्ष्य एक समयबद्ध ढंग से प्राप्त किया जाए और यह स्थायी हो, आने वाली मुख्य समस्याओं और चुनौतियों को चिन्हित करना विवेकपूर्ण होगा। राज्यों को व्यापक राष्ट्रीय एफएलएन मिशन फ्रेमवर्क को अपनाने और संदर्भित करने के लिए लचीलापन और अवसर दिया जाना होगा। शिक्षा मंत्रालय की भूमिका मिशन के लक्ष्यों को स्पष्टतः परिभाषित करने, उन्हें राज्यों के लिए जिम्मेदार बनाने, और उन्हें आवश्यक उपकरणों के साथ प्रदान करने, तकनीकी सहायता और नियितन के संबंध में महत्वपूर्ण होगा। इसलिए, शिक्षा मंत्रालय को अंतर-मंत्रालयी समन्वय और सहयोग सुनिश्चित करने के उपायों पर भी विचार करना होगा।

16. अनुसंधान, मूल्यांकन और दस्तावेजीकरण के लिए आवश्यकता :

राष्ट्रीय, राज्य, जिला स्तर पर अनुसंधान और मूल्यांकन अध्ययन प्रारंभ किए जाएंगे और विभिन्न स्तरों पर बुनियादी अधिगमों के विभिन्न पहलुओं के क्रियान्वयन में आने वाले मुद्दों और समस्याओं के बारे में गहन दृष्टिकोण प्रदान करने हेतु कार्याई अनुसंधान के रूप में ब्लॉक, क्लरस्टर और स्कूल स्तर पर भी आयोजित किए जा सकते हैं। राज्य स्तर और जिला स्तर पर अनुसंधान के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों का निर्धारण उन स्तरों पर संसाधन समूहों या अनुसंधान सलाहकार समितियों द्वारा किया जाना चाहिए।

इस संबंध में, राज्यों को गुणवत्ता संबंधी परिणामों जैसे छात्रों के अधिगम परिणामों, शैक्षिक-निष्पादन, लैंगिक और सामाजिक वर्गों द्वारा छात्र और शिक्षक उपरिस्थिति दर, कक्षाकक्ष में अधिगमय कक्षा कार्यव्यवहारों में परिवर्तन को जाँचने के लिए मानकों के रूप में भी, शिक्षक प्रशिक्षण का प्रभाव, पाठ्यपुस्तकों और पाठ्य-सामग्री की प्रभावकारिता, बच्चों की भाषाओं का उपयोग, बीआरसी / सीआरसी / डाइट द्वारा प्रदान की गई शैक्षणिक पर्यवेक्षण की गुणवत्ता आदि को मापने हेतु निगरानी प्रणालियों को विकसित करने और कार्यान्वित करने की प्राथमिकता देने की आवश्यकता होगी।

पीएमयू एनसीईआरटी, एनआईईपीए और अन्य विश्वविद्यालयों के अलावा, राष्ट्रीय स्तर पर, शोध संस्थानों और गैर-सरकारी संगठनों को बुनियादी अधिगम से सबधित अनुसंधान परियोजनाओं में शामिल किया जाना चाहिए। राज्यों में, एससीईआरटी, डाइट, विश्वविद्यालयों और राज्य अनुसंधान संस्थानों की भागीदारी को बुनियादी अधिगम के लिए प्रासंगिक मुद्दों पर अनुसंधान करने को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। यह महत्वपूर्ण है कि अनुसंधान के निष्कर्षों को व्यापक रूप से प्रसारित किया जाता है और विभिन्न कार्यकलापों की आयोजना और सुधार में उपयोग किया जाता है।

इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम के क्रियान्वयन के दौरान विविध पहलों को समझने के क्रम में, कक्षाओं में अपनाई जा रही विभिन्न नवाचारी क्रियाकलापों और रुचिकर शिक्षण-प्रशिक्षण कार्यव्यवहारों, शिक्षकों और शैक्षणिक संसाधन व्यक्तियों का क्षमता-निर्माण माता-पिता और सामुदायिक सदस्यों की भूमिका, छात्र-अधिगम का आंकलन, जागरूकता अभियानों आदि को शामिल करके विभिन्न प्रक्रियाओं और कार्यव्यवहारों का प्रलेखन किया जाना चाहिए। कार्यक्रम की सफलताओं का दस्तावेजीकरण करते समय, यह रिकॉर्ड करना भी महत्वपूर्ण है कि क्या काम नहीं हुआ और क्यों, ताकि बेहतर समझ के लिए अनुभव से मिली सीख को संग्रहीत किया जा सके।



लक्ष्य सूची

बालवाटिका या आयु 5–6

मौखिक भाषा	1. दोस्तों और शिक्षकों से बात करना। 2. समझ के साथ तुकांत / कविताएँ गाना।
पढ़ना	1. किताबों को देखना और चित्रों की मदद से कहानी पढ़ने का प्रयास करना। 2. कुछ परिचित दोहराए गए शब्दों को पहचानने और इंगित करने की शुरुआत करना (दृष्टि शब्दों या खाद्य कंटेनर / रैपर पर छपे शब्द)। 3. अक्षरों और संगत ध्वनियों को पहचानना। 4. कम से कम दो अक्षर वाले सरल शब्दों को पढ़ना।
लेखन	1. खेल के दौरान पहचान वाले अक्षरों को लिखने का प्रयास करना। 2. आत्म अभिव्यक्ति के लिए पेंसिल घसीटना या चित्र बनाना। 3. पेंसिल का टीक से पकड़ना और पहचानने योग्य अक्षर बनाने के लिए उपयोग करना। 4. अपने पहले नाम को पहचानना और लिखना।
संख्यात्मक	1. वस्तुओं की गिनती और 10 तक संख्याओं को सहसंबंधित करना। 2. 10 तक के अंकों को पहचानना और पढ़ना। 3. वस्तुओं की संख्या के संदर्भ में दो समूहों की तुलना करना और अधिक / कम / बराबर आदि जैसे शब्दों का उपयोग करना। 4. एक क्रम में घटनाओं की संख्या / वस्तुओं / आकृतियों / घटनाओं को व्यवस्थित करना। 5. वस्तुओं को उनकी अवलोकनीय विशेषताओं के आधार पर वर्गीकृत करना और वर्गीकरण के मानदंड का संचार करना। 6. अपने चारों ओर कि विभिन्न वस्तुओं के संदर्भ में तुलनात्मक शब्दों का उपयोग करना, जैसे लंबे, सबसे लंबे, सबसे छोटे, से अधिक, हल्के, आदि।
कक्षा 1 या आयु 6–7	
मौखिक भाषा	1. अपनी जरूरतों, परिवेश के बारे में दोस्तों और कक्षा शिक्षक के साथ बातचीत करना। 2. कक्षा में उपलब्ध प्रिंट सामग्री के बारे में बात करना। 3. कविताओं / गीतों को एकशन के साथ सुनाना।
पढ़ना	1. सक्रिय तरीके से जोर से कहानी कहने के सत्र के दौरान भाग लेना तथा कहानी सत्र के दौरान और बाद में सवालों का जवाब देना; कठपुतलियों और अन्य सामग्रियों के साथ परिचित कहानी का अभिनय करना। 2. आविष्कृत वर्तनी के साथ शब्द लिखने के लिए ध्वनि प्रतीक का उपयोग करना। 3. आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ में कम से कम 4–5 सरल शब्द सहित छोटे-छोटे वाक्य पढ़ना।
लेखन	1. परिचित संदर्भों (कहानी / कविता / पर्यावरण प्रिंट आदि) में प्रयोग होने वाले शब्दों में मात्राओं के साथ परिचित होना।

2. लेखन, ड्राइंग, और / या चीजों को अर्थ देना और अपने कार्यपत्र, बधाई संदेश, चित्रों, आदि पर अपना नाम लिखना और ऐसे चित्र बनाना जो पहचानने योग्य हों या अन्य लोगों से मेल खाते हों।

संख्यात्मक

1. 20 तक वस्तुओं की गिनती
2. 99 तक की संख्या पढ़ना और लिखना
3. दैनिक जीवन स्थितियों में 9 तक संख्याओं के जोड़ और घटाव का उपयोग करना।
4. अपने चारों ओर 3 डी आकृतियों (ठोस आकृतियों) के भौतिक गुणों का अवलोकन और वर्णन करना / जैसे गोल / समतल सतह, कोनों और किनारों की संख्या आदि।
5. गैर-मानक गैर-मानक इकाइयों जैसे हाथ की अवधि, पैर की लम्बाई, उंगलियों आदि का उपयोग करके लंबाई का अनुमान लगाना और पुष्टि करना और गैर-मानक वर्दी इकाइयों जैसे कप, चम्मच, मग आदि का उपयोग करने की क्षमता लेखना।
6. आकार और संख्याओं का उपयोग करके छोटी कविताओं और कहानियों का निर्माण और पाठ करना।

कक्षा 2 या आयु 7–8

मौखिक भाषा

1. कक्षा में उपलब्ध प्रिंट सामग्री के बारे में बात करना।
2. प्रश्न पूछने के लिए बातचीत में संलग्न होना और दूसरों को सुनना
3. गीत / कविताएँ सुनाना।
4. कहानियों / कविताओं / प्रिंट आदि में होने वाले परिचित शब्दों को दोहराना

पढ़ना

1. बच्चों के साहित्य / पाठ्यपुस्तक से कहानियों को पढ़ना / वर्णन करना / फिर से बताना।
2. किसी दिए गए शब्द के अक्षरों से नए शब्द बनाना।
3. आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ से उचित गति और स्पष्टता के साथ सरल शब्दों के 8–10 वाक्यों को पढ़ना (लगभग 45 से 60 शब्द प्रति मिनट सही ढंग से)।

लेखन

1. खुद को व्यक्त करने के लिए छोटे / सरल वाक्य को सही ढंग से लिखना।
2. नामकरण शब्द, क्रिया शब्द और विराम चिह्नों को पहचानना।

संख्यात्मक

1. 999 तक संख्या पढ़ना और लिखना।
2. 99 तक की संख्याओं को जोड़ना और घटाना, दैनिक जीवन स्थितियों में 99 तक की वस्तुओं का योग।
3. गुणा और जोड़ को समान वितरण / बंटवारे के रूप में गुणा करना और 2, 3 और 4 के गुणन तथ्यों (तालिकाओं) का निर्माण करना।
4. गैर-मानक वर्दी इकाइयों जैसे रॉड, पेंसिल, धागा, कप, चम्मच, मग आदि का उपयोग करके लंबाई / दूरी / क्षमता का अनुमान लगाना और मापना और सरल संतुलन का उपयोग करके वजन की तुलना करना।
5. आयत, त्रिभुज, वृत्त, अंडाकार आदि जैसे 2–डी आकृतियों की पहचान करना और उनका वर्णन करना।

- दूर / पास, अंदर / बाहर, ऊपर / नीचे, बाएँ / दाएँ, आगे / पीछे, आदि जैसे स्थानिक शब्दावली का उपयोग करना।
- संख्याओं और आकृतियों का उपयोग करके सरल पहेलियों को बनाना और हल करना।

कक्षा 3 या आयु 8–9

मौखिक भाषा	<ol style="list-style-type: none"> घर / स्कूल में उपयुक्त शब्दावली का उपयोग करके स्पष्टता के साथ बातचीत करना। कक्षा में उपलब्ध प्रिंट सामग्री के बारे में बात करना। सवाल पूछने, अनुभव बताने, दूसरों को सुनने और जवाब देने के लिए बातचीत में हिस्सा लेना। कविताओं को व्यक्तिगत रूप से और समूह में आवाज़ का उतार-चढ़ाव और आवाज़ बदल कर सुनना।
पढ़ना	<ol style="list-style-type: none"> परिचित पुस्तकों / याचं पुस्तकों में जानकारी प्राप्त करना। भाषा के आधार पर और एक आयु उपयुक्त अज्ञात पाठ से सही उच्चारण के साथ लगभग 60 शब्द प्रति मिनट की इष्टतम मति के साथ पढ़ना। पाठ में दिए गए निर्देशों को पढ़ना और उनका पालन करना। आयु उपयुक्त अज्ञात कहानी / 8–10 वाक्यों के अनुच्छेद को पढ़क 4 में से कम से कम 3 प्रश्नों का उत्तर दे सके।
लेखन	<ol style="list-style-type: none"> विभिन्न उद्देश्यों के लिए लघु संदेश लिखना। लिखने के लिए क्रिया शब्दों, नामकरण और विराम चिह्नों का उपयोग करना। व्याकरणिक रूप से सही वाक्य लिखना। व्याकरणिक रूप से सही वाक्यों का प्रयोग कर के खुद छोटे पैराग्राफ और छोटी कहानियां लिखना।
संख्यात्मक	<ol style="list-style-type: none"> 9999 तक संख्या पढ़ना और लिखना। 999 तक की संख्याओं को जोड़ना और घटाना, दैनिक जीवन स्थितियों में 999 तक की वस्तुओं का योग। 2 से 10 की संख्या के गुणन तथ्यों (तालिकाओं) का निर्माण और उपयोग करना और विभाजन तथ्यों का उपयोग करना। मानक इकाइयों, जैसे मीटर, किमी, ग्राम, किग्रा, लीटर आदि का उपयोग करके लंबाई / दूरी, वजन और क्षमता का अनुमान लगाना और मापना। 3 डी आकृतियों (ठोस आकृतियों) के साथ मूल 2 डी आकृतियों की पहचान करना और संबंधित करना और उनके गुणों जैसे चेहरे, किनारों और कोनों आदि की संख्या का वर्णन करना। किसी तिथि और दिन कि कैलेंडर पर पहचान करना ; घंटे और आधे घंटे में घड़ी पर समय पढ़ना। आधा, एक-चौथाई, एक पूरे के तीन-चौथाई और वस्तुओं के संग्रह में पहचान करना। संख्याओं, घटनाओं और आकारों पर सरल पैटर्न के लिए नियमों की पहचान करना, विस्तार करना, और संवाद करना।





स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग
शिक्षा मंत्रालय
भारत सरकार

कार्यालय अतिविकास जिला परियोजना समन्वयक

समग्र शिक्षा, उच्चीकृत शिक्षा संकुल तोपद्दर, अजमेर (राजस्थान) - 305001

Phone :- 0145-2631760 E-Mail -adpcsmsajmer@gmail.com

क्रमांक : अजिपस/समग्र शिक्षा/अज/गुणवत्ता/2022-23/ २२७

दिनांक : ०४।०५।२०२२

- जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) माध्यमिक एवं प्रारम्भिक शिक्षा, अजमेर।
- मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा, विकास खण्ड – समस्त, जिला – अजमेर।

विषय :- दिनांक 04 से 16 मई 2022 तक निपुण भारत पखवाड़ा गतिविधि आयोजन के संबंध में।

प्रसंग :- शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार का पत्र क्रमांक D-O- No- 01-02/2022-1S.13 Dated 28.04.2022
एवं रास्कूलशिप जयपुर का पत्रांक 707 दिनांक 02.05.2022

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र के क्रम में दिनांक 05 जुलाई 2021 को बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निपुण भारत मिशन की शुरूआत की गई थी। निपुण भारत मिशन अन्तर्गत शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा नवाचार के रूप में निपुण भारत पखवाड़ा गतिविधि (15 दिवसीय कार्यक्रम) का आयोजन दिनांक 04 से 16 मई 2022 के मध्य किया जाना है। उक्त गतिविधि विद्यालय, कलस्टर, ब्लॉक, जिला स्तर पर आयोजित की जायेगी।

निपुण भारत पखवाड़ा कार्यक्रम की विस्तृत गाइडलाइन अनुसार निम्न गतिविधियां विभिन्न स्तरों पर। आयोजित की जानी है –

दिनांक 11 से 13 मई 2022 को एसएमसी/समुदाय के स्तर पर निम्न गतिविधियों का आयोजन –

- निपुण भारत शापथ का आयोजन
- एसएमसी सदस्यों, गाँव स्तरीय शिक्षा समिति, अभिभावकों, शिक्षकों का आमुखीकरण
- निपुण भारत मिशन के संबंध में एसएमसी सदस्यों की बैठक
- अभिभावक शिक्षक बैठक का आयोजन

दिनांक 14 से 16 मई 2022 को विद्यालय स्तर पर निम्न गतिविधियों का आयोजन –

- विद्यालय स्तर पर गतिविधियों का आयोजन –

Free Play in Activity/ Learning Areas	Compare and Contrast	Games/ quizzes around FLN
Exploring School Library	Walking in Different Ways	Painting, art and craft clay and building block activities
Read aloud text by children and teachers	Rangoli/ Patterns Making	Puppet show/skit
Picture Reading	My Growth-Body outline	Story telling session
Nature Walk	Hopscotch	Rhyme with Actions/ Dramatization
Gardening and Taking Care of Plants	Number sense	

2. घर पर आयोजित की जाने वाली गतिविधियां –

Activities for 03 to 08 Years old Children

Naming things	Family band	A print or writing corner for child
Dress up	Imagine	Picture Reading/Talk
Hunting shapes	Read or tell a story	Read aloud of stories
Name that noise	Young helpers in the home	Learning to add and subtract.
The body game	Let's make toys.	Making new words
Kitchen drummer	Let's count and other mathematical concepts	Fun with a calendar
Free draw	Connect with nature	Taking care of the environment
Ball pass	Patterns and designs	Doing Puzzles
Hide and hunt	Let's make storybooks	Monitor

Activities for 09 to 11 Years old Children

Writing a Journal	Word antakshari	Writing recipes
Making word and picture webs	Picture reading and writing	Teach your parent
Make your own family Storybook	Making lists	Do activities together
Drawing pictures or making toys and models	Independent Reading	Literacy and Numeracy
Feeling faces	Find the missing objects	Framing rules
Measuring things around the house	Go Shopping	Help your child in arranging things
Family questions	What can I see	

3. समुदाय में कार्यक्रमों का आयोजन

Showing NIPUN Bharat short video and Anthem

Showing e-content available on DIKSHA FLN Portal

Skit / Nukkad Natak or Puppet Shows

दिनांक 16 मई 2022 को “निपुण बच्चा” गतिविधि का आयोजन – विद्यार्थियों द्वारा निम्नानुसार गतिविधियों का आयोजन किया जाए –

- 1. Puppet Show
- 2. Drams/Skit/Role Play
- 3. Dance
- 4. Poetry
- 5. Oral reading expression
- 6. Art and craft work

उक्त गतिविधियों के आयोजन के संबंध में शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा जारी विस्तृत गाइडलाइन संलग्न की जा रही है। गाइडलाइन अनुसार निर्धारित दिनांकों में सम्बन्धित गतिविधियों के विद्यालय द्वारा सफलतापूर्वक आयोजन हेतु निर्देश जारी करावें।

गतिविधियों के आयोजन से सम्बन्धित फोटो, शॉट वीडियो ब्लॉक स्तर से अधिकतम प्रति फोटो, वीडियों जिला कार्यालय को दिनांक 16.05.2022 तक प्रेषित करें।

संलग्न – उपरोक्तानुसार।

(अजय कुमार)

अति. जिला परियोजना समन्वयक

समग्र शिक्षा अजमेर

दिनांक : 04/05/2022

क्रमांक : अजिपस/समग्र शिक्षा/अज/गुणवत्ता/2022-23/227
प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु –

1. श्रीमान् उपायुक्त (गुणवत्ता) राजरथान स्कूल शिक्षा परिषद जयपुर।
2. श्रीमान् मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा, अजमेर।
3. रक्षित पत्रावली।

(अजय कुमार) ०५/०५/२२

अति. जिला परियोजना समन्वयक

समग्र शिक्षा अजमेर



NIPUNBharat PAKHWADA

**An Initiative to Build Community Awareness &
Participation for Foundational Literacy &
Numeracy**

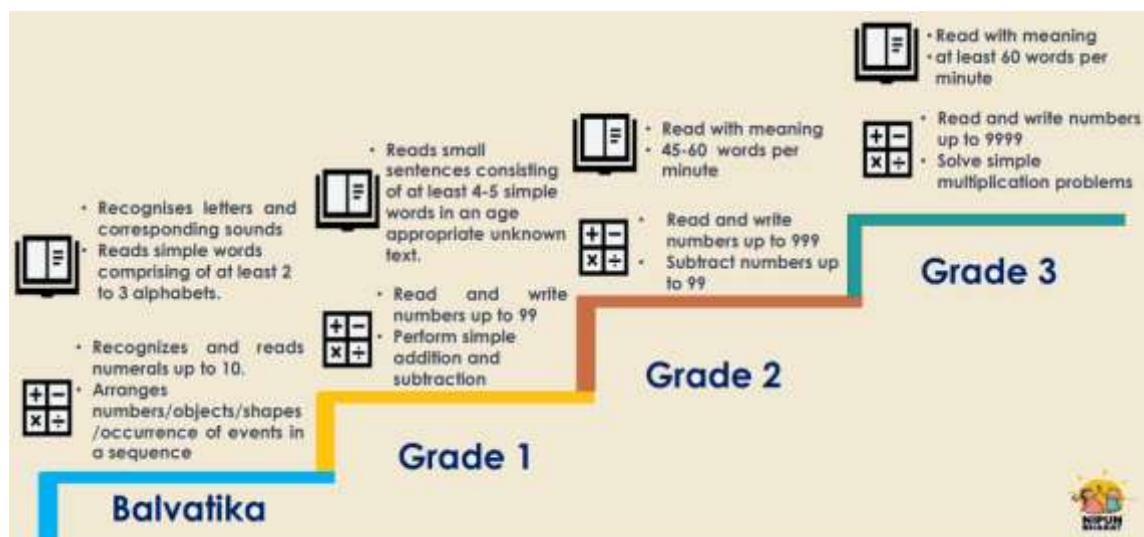
Guidelines



**Department of School Education and Literacy
Ministry of Education
GOVERNMENT OF INDIA**

CONTEXT

National Education Policy (NEP) 2020 gives the highest priority to universal acquisition of foundational literacy and numeracy skills at primary level. Further, it states that, the rest of this Policy will be largely irrelevant for a large portion of our students if this most basic learning, i.e., reading, writing, and arithmetic at the foundational level is not first achieved. Recognising the crucial role of Foundational skills in the national development, a National Foundational Literacy and Numeracy Mission named as ‘National Initiative for Proficiency in Reading with Understanding and Numeracy - NIPUN Bharat’ was launched on 5th July 2021. The purpose is to ensure that every child in the country necessarily attains foundational literacy and numeracy in Grade 3 by 2026-27. The overall targets or ‘Lakshyas’ of NIPUN Bharat Mission are:



Source: NIPUN Bharat Mission Implementation Guidelines (MoE, 2021)

https://diksha.gov.in/play/collection/do_3134178342566871041739?contentType=TextBook

Fig 1: NIPUN Bharat Mission Lakshyas

To make NIPUN Bharat a large-scale mission to change country’s educational landscape, NEP 2020 recommends extensive community engagement for enhancing learning level of children. It is suggested to garner the support of active and healthy senior citizens, school alumni and local community members and create a database of literate volunteers, retired scientists/government/semi government employees, alumni, and educators. The NIPUN Bharat Mission guidelines also concur that community participation is a central and overarching factor in planning, implementation and monitoring of FLN mission. The FLN mission can succeed by promoting a sense of ownership at all levels and empowering

households and the communities to act as an extension to school-based education. To sustain this engagement, a variety of events can be planned at regular intervals with participation from every stakeholder in the ecosystem including, government and private schools, local elected bodies, village, parents, and the child.

Parents/Community participation in NIPUN Bharat Mission

Close involvement of community members is extremely critical as it fosters ‘bottom-up approach’ not only in effective planning and implementation of interventions in the schools but also in effective monitoring, evaluation, and ownership of the Mission by the community. Even after entering the formal schooling system, family and community continues to be the place where major learning takes place as children spend more than 80% of their time at home. Additionally, ensuring effective community involvement, especially in early years can make local context, culture, and language an integral part of a child's education that positively influences learning levels. The COVID-19 pandemic has further demonstrated the role of parents and the community members as active stakeholders in children’s education.

NIPUN Bharat Pakhwada

NIPUN Pakhwada is an initiative to build awareness among stakeholders on components of NIPUN Bharat Mission which will facilitate their participation and active engagement in the mission.

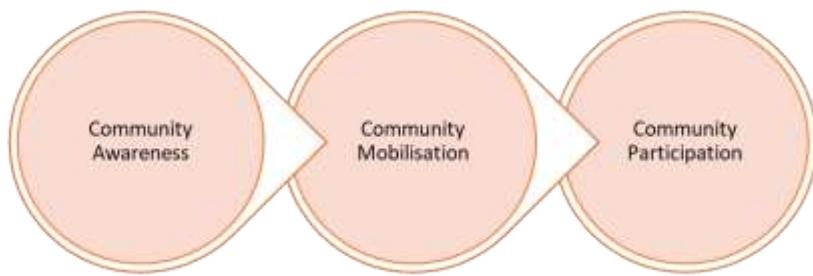


Fig 2: Objectives of NIPUN Bharat Pakhwada

Pakhwada will be organized as a series of National, state, school and community-based events to make parents and community aware about the objectives and key components of NIPUN Bharat Mission and engage them in the learning of the children. The events will also focus on roles and responsibilities of parents and community so that they could actively participate in the mission and make it a ‘Jan Andolan’. Various fun based activities will also be organised at school and community level.

Participants

- All young children between the age of 3+ to 11 years (pre-primary/Balvatika to primary level) who are present in the community at the time of the organization of events, must be the part of NIPUN Bharat Pakhwada, whether they are studying in the schools in that community or not.
- Teachers/Head Teachers, Parents/ other caregivers/ Community, CRC/ BRC/ BEO/ DEO, SMC/ VEC/ Panchayats.
- All categories of schools from all sectors (Government, Private, NGOs)

Organisation

The NIPUN Bharat Pakhwada will be held over a period of 15 days from 4th to 18th May, 2022. Participation will extend from the National level to Schools (Government, Private, Aided), Panchayats ghar/community centers/chaupal, etc. The NIPUN Bharat Mela in school will not be confined only to the classroom. The whole school resources must be utilized. NIPUN Bharat Nodal/officers from the states/UTs will coordinate the organization of the activities during the Pakhwada and sharing of information with the Ministry.

Phases and Levels of Organization

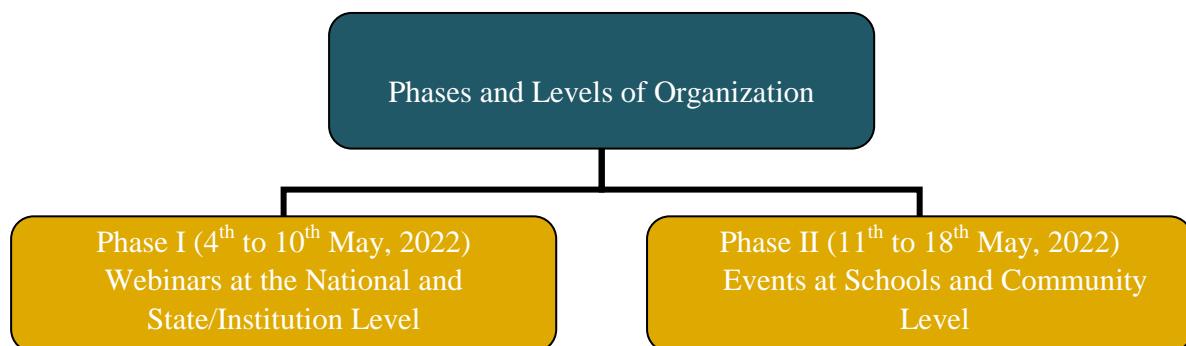


Fig 3: Phases of Organization of NIPUN Bharat Pakhwada

Sharing of Resources

Links to the available resources are given in the guidelines at appropriate places for quick and easy access. These links may be shared with different stakeholders through Whatsapp, emails, etc.

Note: Please note that the activities under the NIPUN Bharat Pakhwada must be organised following strict Covid-19 protocols and SOPs as applicable.

PROGRAMME

PHASE I (4th to 10th May 2022): Webinars at National and State Level

The objective of the webinars is to make different stakeholders (policy makers, educational planners, educational administrators, parents, teachers and community) aware about the NIPUN Bharat Mission, its targets/Lakshyas, roles and responsibilities of each stakeholder to facilitate their participation in the Mission. Therefore, environment building for organizing NIPUN Bharat Pakhwada is very important. This can be done by sharing of NIPUN Bharat Pakhwada Guidelines, dissemination of information about different activities to be carried out, and sharing of links for the National and State level webinars, etc with different stakeholders.

4th May, 2022: Launch of NIPUN Bharat Pakhwada and National Level Webinar

A national level webinar on NIPUN Bharat Mission will be hosted by the Ministry of Education in an online mode for creating mass awareness about the NIPUN Bharat Mission and Pakhwada. The webinar will be telecast through different modes/channels to reach every nook and corner of the country. Links to attend the webinar is given below:



5th to 10th May, 2022: State/UT Level Webinars

The state level webinar may be organized on any day (as per the suitability of the State/UT) between 5th and 10th May, 2022. Following are the guidelines for organizing the webinars:

1. Common Youtube/Facebook link may be created and shared so that all teachers and other stakeholders such as parents, teachers and community members can attend the webinar.
2. State/UT must make sure that the recording of the webinar is available for later viewing.
3. During webinar, all stakeholders may be encouraged to write their comments and questions on live comment box given.

4. The webinar may also be telecast through local TV channels and if possible, arrangement can be made to create viewing facility in schools, panchayat ghar/community centers/chaupal, etc. for a wider outreach.
5. Webinar should be organized in regional/local language so that everyone can understand the concept of NIPUN Bharat Mission.
6. Webinar may be extensively popularized using multi-media such as newspapers, announcements, pamphlets, posters, text messages, email, facebook, twitter, Whatsapp, TV, etc.
7. Speakers and theme moderators must be experts/practitioners in subject domain/topic on which they are speaking.
8. Content delivered by the speakers must be very clear, to the point and in simple language, so that different stakeholders can easily understand the purpose of NIPUN Bharat Mission and their role and responsibility to contribute in achieving the set targets.
9. Relevant documents, programme schedule, photographs and videos of the webinar should be uploaded using the link given below:

https://docs.google.com/spreadsheets/d/16k2-N0bADd1uLHfBLYgBer6yY4E_TFlrlqav2T6mSBC/edit?usp=sharing

10. Tentative Programme Schedule for the webinars is given below for ready reference and use:

Time	Session	
10:00am	Inaugural Welcome Purpose of NIPUN Bharat Pakhwada and Webinar Welcome Address NIPUN Bharat Pledge	National/ State Officials
10:30am to 11:30am	Theme 1: Building understanding about NIPUN Bharat Mission	Speaker
	NIPUN Bharat Mission: purpose, objectives, targets	<i>Speaker 1</i>
	Why shift to the competency based learning?	<i>Speaker 2</i>
	Holistic development of children: Developmental Goals, key skills, learning outcomes and Lakshyas	<i>Speaker 3</i>
	Teaching learning approach/ Pedagogy at the foundational stage	<i>Speaker 4</i>
	Consolidation/Final Remarks by the Moderator	Moderator
11:30am	Theme 2: Building strong skills at foundational learning	Speakers

to 12:30pm	Importance of children's literature in learning and selection process	<i>Speaker 1</i>
	Ways to create print rich environment and use them for learning	<i>Speaker 2</i>
	Importance of number sense, critical thinking, creative thinking and problem solving skills and ways to develop them	<i>Speaker 3</i>
	Introduction to Vidya Pravesh programme and its importance	<i>Speaker 4</i>
	Consolidation/Final Remarks by the Moderator	Moderator
12:30pm to 1:30pm	<i>Theme 3: Parameters for effective implementation</i>	Speakers
	Critical enablers for ensuring NIPUN Bharat Mission implementation	<i>Speaker 1</i>
	Role of mother tongue in building strong foundations for learning	<i>Speaker 2</i>
	Role of teachers and their capacity building	<i>Speaker 3</i>
	Roles and functions of various stakeholders in the success of the mission: <ul style="list-style-type: none">• Policy makers, educational planners, educational administrators• Parents and community	<i>Speaker 4</i>
	Consolidation/Final Remarks by the Moderator	Moderator
1:30 pm to 02:00pm	Valedictory	National/ State Officials

PHASE II (11th to 18th May, 2022): NIPUN Bharat Events in Schools and Community

‘NIPUN Bharat events in schools and community’ will be held to make all the parents and community aware about the NIPUN Bharat Mission and their roles and responsibilities in the learning and development of their children. Apart from this some activities are suggested for children to be carried out in schools alongwith their parents/caregivers to develop a sense of joy in learning. Various activities are suggested for the week starting from 11th to 18th May, 2022. However, some preparation is required to be done before organizing the same.

Pre-requisites (to be completed before 11th May, 2022)

1. Popularize the event through multiple media such as newspapers, announcements, pamphlets, posters, text messages, emails, facebook, tweeter, Whatsapp, TV, etc.
2. Translate the NIPUN Bharat Lakshyas and pledge into local languages and share with all the stakeholders using social media.

3. Display NIPUN Bharat Lakshyas and NIPUN Bharat logo in all schools.
4. Create print rich and numeracy rich environment in the classroom.
5. Display children's work in the classroom.
6. Provide age and developmentally appropriate children's literature in the school library.
7. Create following activity/ interest areas in the classroom or any space available in the school where children can do some activities in these areas as per their choice:

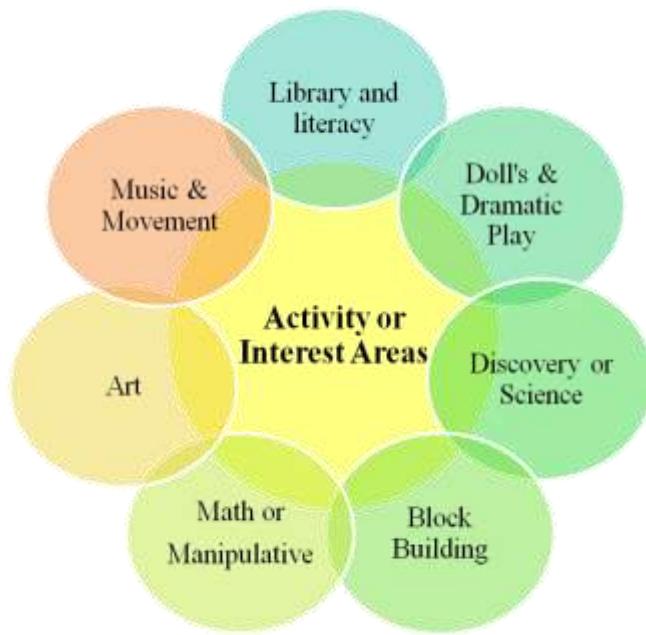


Fig 4: Exemplar Activity/ Interest Areas



Fig 5: Exemplar Library and Literacy Area

Following are the suggestive material for children related to each activity or interest area:

- **Library and Literacy Area:** A variety of age-appropriate children's magazines, information books, picture books, storybooks, large books, local folk tales, thematic books, comics, slates, chalks, etc.
- **Doll's Area or Dramatic Play Area:** Various kinds of dolls, doll-sized furniture and clothes, doll-sized cooking utensils (pots, dishes, spoons, etc.), pretend food (vegetables or fruits made of clay), dress-up clothes (scarf, cap, stole, jacket, small sari, long pieces of cloth, etc.), combs, mirrors, walking sticks, old spectacles, non-functional telephones or cameras, a briefcase and a lunch box, etc.
- **Discovery Area:** Materials like magnifying glasses, shells, plants, seeds, magnets, iron objects, weighing scales, weights, measuring tapes or any other locally available material.
- **Block Building Area:** Variety of blocks of different colours, shapes and sizes such as hollow blocks, interlocking blocks, foam blocks, wooden blocks, etc.
- **Manipulative Area:** Manipulative materials such as puzzles, matching cards, lacing cards, seeds, seriated shapes, inset boards, shells, material for sorting, strings and beads, small toys, such as cars, trucks, animals, toy figures, take, apart toys, number rods, abacus, and other objects from the environment such as leaves, stones, pebbles, twigs, flowers, etc.
- **Art Area:** Different types of papers (lined, unlined), crayons, pencils, washable markers, slates, coloured chalks, pieces of fabric, paints, brushes, tape, play dough or clay, rolling pins, boards, stencils, old newspapers, magazines, ice-cream sticks, and other locally available material.
- **Music and Movement Area:** Daphali, bells, bowls, flutes, tambourines, string instruments, rattles, utensils of different types or metals, local musical instruments, music system and a variety of DVDs of songs, poems and rhymes. There can be related material such as ribbons or scarves for the children to use as props to promote creative movement.

11th to 13th May, 2022: SMC/Community Level Activities

1. Pledge Taking

All the stakeholders at the schools/community level, wherever they are, must take NIPUN Bharat Pledge.

NIPUN BHARAT PLEDGE

Let us join hands to ensure a conducive learning environment
enabling all children to achieve foundational skills.

We pledge to make the school a place of joyful and experiential
learning where children can use their language freely, ask
questions freely, play freely, and where every child is respected.

Let us make the school as well as the home, a place for
developing lifelong skills for reading with comprehension, writing
with purpose and understanding numeracy, in every child that
they can apply in their everyday life situations.

Let us strive to make education meaningful and joyful for each
child of our country and make every child NIPUN.

निपुण भारत शपथ

आओ एकजुट होकर हाथ मिलाएं यह सुनिश्चित करने के लिए कि हर बच्चा / बच्ची करे हासिल
बुनियादी शिक्षा कौशल, ऐसा अनुकूल मिले उन्हें वातावरण ।

हम शपथ लेते हैं कि स्कूल बने एक ऐसी जगह जहाँ हो आनंदपूर्ण और अनुभवात्मक अधिगम, और
जहाँ बच्चे अपनी भाषा स्वछन्दता से इस्तेमाल कर सकें, स्वछन्दता से सवाल पूछ सकें, खुलकर खेल
सकें, और जहाँ हर बच्चे का हो सम्मान ।

आओ घर को और स्कूल को बनाएं एक ऐसी जगह जहाँ बच्चे समझ के साथ पढ़ें, उद्देश्य के साथ
लिखें और संख्या ज्ञान सीखें; जो कि वे अपनी रोज़ मर्झ की जिन्दगी में उतार पाएं और उनके जीवन भर
के सीखने के कौशल का विकास हो सके ।

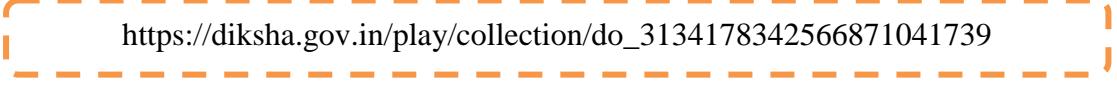
आओं यह सतत प्रयास करें कि भारत के हर बच्चे को मिले ऐसी शिक्षा जो हो सरस और सार्थक ताकि
हर बच्चा / बच्ची बने निपुण ।

2. Orientation of School Management Committee (SMC) Members, Village Education Committee (VEC) Members, parents and grandparents on NIPUN Bharat Mission to be done by the BRC/CRC/DTF/Trained foundation level teacher, involving the following:

- NIPUN Bharat Pledge to be taken
- Showing NIPUN Bharat short videos and ANTHEM available on DIKSHA FLN portal. Link of the NIPUN Bharat Short film and Anthem is as under:

 https://diksha.gov.in/play/collection/do_3134178437793464321778

- Purpose and objectives of NIPUN Bharat Mission
- Developmental goals, Key Competencies and Learning outcomes
- NIPUN Bharat Lakshyas
- Play and activity based teaching learning process in the school
- Tracking of children's progress
- Visit to the learning/activity areas
- Importance of creating enabling home environment for learning
- Importance of Vidya Pravesh Programme and the activities in the module.
- Ways to organise simple home-base activities with children.
- Roles and responsibilities of SMC members, community, parents and grandparents
- Setting-up community library for children to encourage reading.
- Identify volunteers for home-based learning and support to parents.
- Facilitate regular local exposure visits and hands on experience to the children like post office, bank, police station, art and craft work, etc. by the school.
- Facilitate interaction of community people like army person, farmer, policeman, doctor, carpenter, dancer, artists, etc. with children in the school.
- ‘Vidya Pravesh Module’ and ‘Guidelines for Parent Participation in Home-Based Learning during School Closure and Beyond’ can be shared with them using following link:

 https://diksha.gov.in/play/collection/do_3134178342566871041739

3. Meeting with SMC members on NIPUN Bharat Mission

Following roles of SMC members should be discussed to support the learning activities:

- Addressing high absenteeism of children through community meetings and home visits including home visits of teachers.
- All members need to regularly attend SMC meetings.
- Ensure basic facilities at school level such as functional toilet, play equipments, play material, drinking water, etc.
- Ensure that teachers are regularly attending the school and teaching children.



Fig 6: Awareness Programmes for the Community Members and Parents

4. Parent Teacher Meeting should be organized in the school for all pre-primary/balvatika and primary school children to discuss the following:

- Display/share the progress of the child with his/her parent and discuss the progress.
- Learning loss occurred due to school closure during pandemic
- What is being done in the school to recover from the learning loss

- How parents and other family members especially grand parents and siblings can support learning at home and in schools

Points to be discussed with parents

- Engage in the events in the school like Independence Day/sports day/school foundation day etc.
- Parents/grandparents may choose specific task as per their interest and expertise such as decoration, preparing snacks, managing snacks, presenting local songs/dance, teaching children art and craft activities, etc.
- Ensure their children are regularly attending the school
- Check the learning of children and regularly discuss with teachers about the progress of their children
- Create conducive learning environment at home and conduct interesting activities for children

14th to 17th May 2022: School Level Activities (NIPUN Bharat Mela)

A three to four days NIPUN Bharat Mela may be organized at the school and community level. This would help everyone understand and participate in activities that are important for the development and learning of children. It would also develop a sense of joy in learning among children. It is important that all the activities to be carried out in the school must be organized in a way where parents and children can jointly participate. The activities given under this section may be conducted every day or on rotation basis depending upon the resource and space available.



Fig 7: Parents and Children doing Activities Together

1. Indicative Activities which can be conducted in the School

- **Free Play in Activity/ Learning Areas:** All children may be given opportunity to explore the area of their interest and spend sufficient time to freely play.
- **Exploring School Library:** All children must visit the school library and explore books that are available. They should be encouraged to read the book or talk about any book of their interest. Parents may also accompany them and see the books available in the library.



Fig 8: Exploring School Library

- **Read aloud text by children and teachers:** The teacher can pick up books from the class/school library that are well illustrated and make children sit in a close group like a circle under a shady tree and read aloud the stories, also making it visible to the children those pictures in the book as they read. Teachers can take the help of their parents in this process.
- **Picture Reading:** Put a big picture on the wall. Invite children to observe it closely and ask them to share with each other what all they saw in the poster. Give them pointers for discussion like- whom all did they see in the poster? Where are the pictures in the poster located? What do they think is happening there? What do they think will happen next? If they were there in the picture, what would they be doing? Then ask children if they want to give one Title to the poster or share in one line using the structure 'I see'.
- **Nature Walk:** Take all the children to the school garden or any shady tree in the premises and explain how important each part of the tree is for us and for the tree to survive. Let children develop an attitude of care and nurturance towards plants, animals, and other forms of life. Let children observe the tree/s carefully and other

creatures and appreciate the life around. Children can have lunch under the tree with friends or family. It is good practice to feed animals or birds also.

- **Gardening and Taking Care of Plants:** Ask children to bring any seed (Channa, Rajmah, soybean etc.) and a disposable glass or bottle to use as flower pot. Ask them to fill the pot with soil, sow the seed and water it. Mention their names on the pot using marker. Keep them at appropriate place. Later, ask children to observe their progress and note the observation/growth of the plant and share with friends and family.
- **Compare and Contrast:** Let the children cut and paste long paper strips, measure each other's height and mark it on the paper strip or with a sutli and write each child's name on top. Then, the children should paste the marked strips/ sutli on the wall. Ask the children to compare and find out who is the tallest/shortest.
- **Walking in Different Ways:** Draw different lines on the floor, e.g., straight, curved, zigzag, etc. Let the children walk along the lines. Instruct them to walk slowly or fast, forward, or backward. Let children walk in a circle and try to maintain the circle, sing songs and do actions.
- **Rangoli /Patterns Making:** Take children for a nature walk in the premises and ask them to collect fallen leaves, flowers, twigs, small pebbles, matchsticks or seeds that they find on their way. Then ask children to sit and sort all the items they collected and explain the basis of their classification. Then they can be asked to make different rangolis using their collection and put it up for exhibition for others.



Fig 9: Children Engaged in Pattern Making Activity

- **My Growth- Body outline:** Spread a newspaper or chart paper on the floor. Let one child lay down on the paper. Ask another child to trace the body outline. Later let all the children do paper tearing-pasting activity on it or let children fill in details of the body parts and the teacher can help in the development of body-related vocabulary.

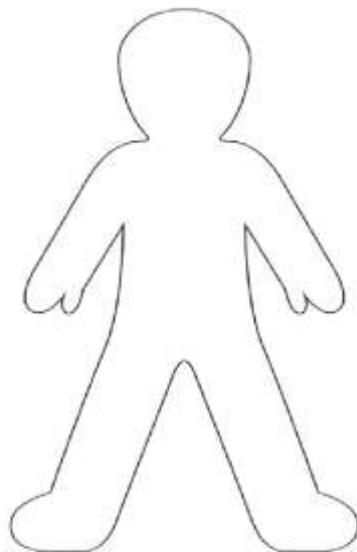


Fig 10: Body Outline

- **Hopscotch:** The game involves hopping over lines or in shapes. Player/s toss a small object (typically a small stone, coin, bean bag, or small chain with a charm) into numbered triangles or a pattern of rectangles outlined on the ground and then hop or jump through the spaces and get back the object. It can be played with many players or alone. India is known by many names, such as Kith-Kith, Stapu, Ekka Dukka, and Langdi taang etc.
- **Number sense:** Engage the children in counting with physical activities. For example, how many times can you hop on your right feet or on your left feet without falling? It can be called ‘try the challenge corner’ where children come and one by one try to hop one one foot, while other children count. Once the child has taken the turn can write their name and number of jumps (highest from any leg) on the wall / board/ chart put up there.
- **Games/quizzes around FLN:** Some games and quiz can be organized jointly for both parents and children. For parents, it could be based on their orientation (happened on 11th to 13th May, 2022) on NIPUN Bharat Mission. For children, it may be on asking tricky questions and doing some games based on the skills stated under NIPUN Bharat Mission.

- **Painting, art and craft, clay and building block activities:** Art and craft activities such as paper folding, clay moulding, scribbling can be organized. Where parents and children both can participate and learn.



Fig 11: Child Creating Shapes/Structures



Fig 12: Children Engaged in Clay Modelling Activity

- **Puppet show/skit:** Puppet show/skit can be organized around the stories children love to hear. The stories in traditional art from the local community in their own language may be made part of the mela. It is suggested that apart from the traditional folk lore, other contemporary stories that children from all cultures and creed enjoy listening to are also made part of the mela in form a puppet show. Puppet show or skit

may be prepared for children and performed at regular intervals. Some of the exemplar stories for puppet show are given in Annexure-I.



Fig 13: Puppet Show

- **Story telling session:** Children love listening stories. Story telling is an interesting way to deliver any concept and develop required skills among children. Stories can be narrated through gestures, puppets, story box, story books, story charts etc. Some of the stories are given as exemplar in Annexure- I.
- **Rhyme with Actions/Dramatization:** Provide opportunities and experiences for children to do rhythmic movements using rhymes, songs, props, or body parts. For example, to know about body parts teacher may sing a rhyme like ‘head, shoulder, knees, and toes’ or ‘Hara samndar gopi chandar bol meri machali kitna paani?’ and children touch and name different body parts as the water levels up over every repetition. (Any other song in the regional language using movement of body and actions can be used).

2. Indicative Activities which can be conducted at Home

In case the schools are closed due to COVID or summer vacation, some of the indicative activities are given which the parents can organise easily at home with their children:

Activities for 3 to 8 Years old Children

- **Naming things-** Ask the child or give them names of different items available at home, and classify them.

- **Dress up:** Select some different fabrics, an old scarf, dupatta, and encourage the child to make a pretend costume out of what is available at home.
- **Hunting shapes:** Parents can go on a shape hunt inside the home with child.
- **Name that noise:** Make different animal sounds and have the child guess which animal the parent is pretending to be.
- **The body game:** Name child's body parts and point to them to teach her their names.
- **Kitchen drummer:** Turn over safe, shatter-proof bowls, pots, and pans to make a set of drums straight from kitchen.
- **Free draw:** Give child some crayons and paper to draw away! Children also love to draw in the mud or sand.
- **Ball pass:** Grab a softball and roll it back and forth with your toddler.
- **Hide and hunt:** Collect a few small objects and cloth to hide and uncover for identification, counting, remembering, etc.
- **Family band:** Sing songs with the child and create musical instruments from safe objects available around the house. Parents can sing songs that they have learnt as a child.
- **Imagine:** Parents can ask their children to pretend to be a lazy cat or a dog that just got up from her sleep then yawns, stretches its legs and body, and makes a funny sound.
- **Read or tell a story:** Parents can talk to the child about their childhood and narrate them a story, if book is available they can read a story from that book.
- **Young helpers in the home:** Folding and putting away washed clothes can be an enjoyable activity. Children can be asked to sort clothes based on size or colours too.
- **Let's make toys:** If paper is available then parents can make boats, airplanes, birds by paper folding. If paper is not available, clay can be used for children to make toys of their choice. Children can be encouraged to develop and play with their own board games with pictures, numbers, and text.
- **Let's count and other mathematical concepts:** Parent may ask child to count different objects or can give them clay balls or other lay materials to learn the number concept.
- **Connect with nature:** Children can be encouraged to observe the flowers, trees, plants, leaves, birds, butterflies, insects in the local environment.

- **Patterns and designs:** Parents can provide children with bottle caps, leaves, flowers, and twigs and can be shown to them a pattern followed by asking them to copy the same. Children should be encouraged to make their own patterns.
- **Let's make storybooks:** If parents get a newspaper at home they can use pictures from it and make a new storybook along with the child.
- **A print or writing corner for child:** Parents can provide a designated space for the child to display their drawings, writing materials or any other print material they collect. One portion of the wall can be painted and used as a blackboard for children to write.
- **Picture Reading/Talk:** Children can be shown sceneries of a particular event, place, story like a fair/mela, zoo, circus, etc, and asked to talk about it.
- **Read aloud of stories:** Parents, older siblings and other caregivers can read aloud stories from engaging books or using online resources. Children could be asked to read aloud the stories read out to them.
- **Learning to add and subtract:** Using easily available materials at home like vegetables, pebbles, pulses, or other objects, basic addition and subtraction can be done.
- **Making new words:** Parents can give the child a letter consonant grid and ask her/him to make new words and say them out and write them too.
- **Fun with a calendar:** Many homes will have a calendar, use it for talking about numbers, children can be asked to identify the days of the week, count the number of Mondays/Sundays in a month, map the weather of each day using symbols for different weather types.
- **Taking care of the environment:** Parents must encourage children to plant seeds or take care of plants or animals at home. Ask them to observe these and to study the growth and behaviour of plants and animals.
- **Doing puzzles:** Parents can take a large picture from a newspaper, magazine and cut it out in different shapes and sizes and create puzzles. Children will enjoy joining these pieces and doing the puzzles.
- **Monitor:** For young children monitoring of progress must be part of the activities that are conducted with them, can a 5-year-old classify objects based on size, colour, shape or can join dots of a complex picture to make the complete picture do a simple

jigsaw puzzle of up to 10 pieces, can follow a pattern and copy it, can answer a simple riddle, can hold a picture storybook correctly and turn pages to go through a book.

Activities for 9 to 11 Years Old Children

- **Writing a journal:** Both parents and child can talk about their feelings: “Today I am feeling...”, “Today I am grateful for...”, “I know I am strong because...”, “When I grow up I want to...”, “If I were the leader of this country I would...”, “My happiest day was...”.
- **Making word and picture webs:** Parents can give the child a word or a picture and ask them to list of words associated with them.
- **Make your own family storybook:** Parents can help their child to draw or collect pictures from any print materials available in the local environment and make a storybook.
- **Drawing pictures or making toys and models:** Children should be encouraged to share their thoughts on what they have developed.
- **Feeling faces:** Children can create drawings of faces, each expressing a different emotion – happy, sad, angry, worried, etc.
- **Measuring things around the house:** Parents give the child a piece of thread and ask them to use their palm or feet to measure – the distance, the length of a door or window, the side of a table or cot.
- **Family questions:** Each family member may be asked to answer one question about each other such as their favourite colour, favourite vegetable, a festival they enjoy most, etc.
- **Word antakshari:** Child can be asked to start the game by saying a word that could be someone’s name, name of a place or an animal, bird, insect, or thing), the next person has to say a word starting with the last letter.
- **Picture reading and writing:** Any picture from a textbook, newspaper or magazine, or any print material that is available at home can be picked up. Parents can initiate a talk about what is happening in the picture or what it is about.
- **Making lists:** Children could be asked to make a list of objects – things in a kitchen, tools used by a farmer, potter, cycle or car repair mechanic, etc.

- **Independent reading:** Parents can have a designated time of the day when children can pick up any reading material for reading. School teacher may be asked to share storybooks from the school library.
- **Find the missing objects:** Collection of items (such as a comb, a spoon, buttons, seeds, needle, and thread, lock, and key) can be put together and after the child has observed them for some time, remove one of the objects and, ask the child to find what is missing.
- **Go shopping:** Role play ‘going to the market’ may be organised. Parents can also ask children to write and draw a list of objects that they would go buy.
- **What can I see:** Parents may ask their child to guess what they can see based on clues. Now, child may be asked to give clues and parents are expected to guess.
- **Writing recipes:** Thinking logically and sequentially is a skill. Children can be asked to write down the step-wise processes to make a simple dish that children observe being made every day at home.
- **Teach your parent:** It can be great fun if children are asked to teach their parents. This will not only expand their knowledge, they would feel empowered also.
- **Do activities together:** Parent may make a short video together on any one aspect of nature, a vocation or even of cooking at home, etc. with the child giving a well-researched commentary. Even reading newspapers together can be highly useful to hone a child’s reading and comprehension abilities.
- **Literacy and Numeracy**— Children must be encouraged to look at packets of milk, or foodstuff and using the terminology of a liter, ml, kg, measuring lengths in the house in inches, feet, cms (dining table, book, etc.) could be used extensively.
- **Framing rules:** If possible, parents can involve the child in framing clear rules and time table for study to establish routines and expectations. This would help students in owning their learning.
- **Help your child in arranging things:** Parents must ask their child to help in arranging (apparatus, material, tools) or other resources required to perform a learning task.

Source: Guidelines for Parent Participation in Home-Based Learning during School Closure and Beyond, Government of India (MoE, 2021)

https://diksha.gov.in/play/collection/do_3134178342566871041739?contentType=TextBook

3. Programmes in the community

Gram Panchayat, VEC and SMC members may organize community level programmes for all three days at common place like Panchayat Ghar, Chaupal, Community center, etc. Teachers or volunteers who understand the NIPUN Bharat Mission must lead this, with the following activities:

- **Showing NIPUN Bharat short video and Anthem:** Arrangement may be made to show the NIPUN Bharat short video and Anthem to all the community members. This should be followed by discussion on key components of NIPUN Bharat Mission.
- **Showing e-content available on DIKSHA FLN portal:** e-content in the form of videos of learning outcome-wise activities under each developmental goal are given on FLN DIKSHA portal. These resources may be shown to the parents and community members to make them understand about the purpose of developing key competencies and the ways to achieve them. Links to these resources have been given in Annexure II.
- **Skit/Nukkad Natak or Puppet Shows:** Skit/Nukkad Natak or Puppet Shows can be prepared by the volunteers and organised at common places in the community engaging youth, parents, cultural group from the community. The essence of the skit/nukkad natak or Puppet Shows should be the awareness of NIPUN Bharat Mission such as:
 - What is age and developmentally appropriate curriculum
 - Why is it important to ensure continuum of learning from preschool to grade 3
 - What are the aims and Lakshyas of NIPUN Bharat mission
 - What are the Developmental goals, key competencies and learning outcomes
 - What should be the role of various stake holders including parents/community, local volunteers and other alumni children in ensuring that the school environment and home environment are conducive so that every child by the end of grade 3 reads with comprehension, writes with purpose and understands mathematics and can apply them in their daily life situations as well.
 - Critical role of the community and the strong partnership the community has with the school in actualizing the vision.

There can be slogans created for highlighting the NIPUN Bharat Mission and its implications like ‘Har bachhe honge nipun jab jaayenge balvalitika aur kaksha 1, 2, 3 sang sang’; ‘Kahaniyon, kisson aur geeton ki jahan hogi jhadi saaksharta ki buniyaad hogi wahin khadi’; etc. These can be accompanied with naare by children giving space to their voices where the facilitator asks them ‘Kaisa ho school humara?’ and children give response about NIPUN ideal school like ‘kitaabon, kahaniyon se bharpoor, khelne aur khojne ke avsaron se paripoorn’.

18th May, 2022: NIPUN Child

NIPUN child event is proposed to provide an open platform to each and every child to display his/her talent/ work/ learning to the community members, parents, etc. This would help them to come out with creative ideas, share them in the larger platform, and thus gain confidence and recognition.

- **Programme to be organized by children**
 - Puppet show
 - Drama/Skit/Role Play
 - Dance
 - Poetry
 - Oral reading expression
 - Art and craft work



Fig 15: Children Performing in front of the Community

- **A competition may also be organized by the organisers**
- **Valedictory and Prize Distribution**

REFERENCES

- NCERT 2022. VIdya Pravesh Module, New Delhi
- NCERT 2021. VIdya Pravesh Guidelines, New Delhi
- MoE 2021. NIPUN Bharat Mission Implementation Guidelines, Government of India
- MoE 2021. Guidelines for Parent Participation in Home-Based Learning during School Closure and Beyond, Government of India
- MHRD 2020. National Education Policy (NEP), New Delhi
- NCERT 2019. Guidelines for Preschool Education, New Delhi
- NCERT 2019. The Preschool Curriculum, New Delhi
- NCERT 2017. Resource Package for Awareness in ECCE, New Delhi
- NCERT 2005. National Curriculum Framework (NCF)-2005, New Delhi

PHOTO Credits

- Early School Mathematics Programme (ESMP), NCERT
- Early School Literacy Programme (ESLP), NCERT
- Resource Package for Awareness in ECCE, NCERT
- Schools in different States/UTs

Exemplar Stories for Puppet Show and Story Telling

Source: Vidya Pravesh Module developed by the NCERT (2022)

https://diksha.gov.in/play/collection/do_3134178342566871041739?contentType=TextBook

1. Make a Difference

Once upon a time, there lived a wise, old writer beside the sea. One day as he was walking along the beach, he saw many starfish stranded on the beach. At a distance he saw a little girl, picking something up and throwing at the sea. He went up to the girl and asked ‘what are you doing, child?’ These starfish have been washed to the beach during the storm last night. When the sun rises in the sky, the heat would kill them. So I’m throwing them back into the sea’. The old man was surprised. ‘There are thousands of starfish here! What difference can you make?’ he said. The girl threw another starfish into the sea. I made a difference to that one! She smiled and looked at the old man.

2. One Seed

A long time ago there was a seed, blowing about in the desert. It flew with the wind and sand, in different directions. One day the seed decided to settle down and grow. All the other seeds shouted as they went spinning by, “It can’t be done, No, you can’t do that.” “Yes, I can.” said the seed “Just watch me”. The seed took no notice of what all the other seeds said and it planted itself firmly in one spot. It opened itself and sent up a little shoot, then sent down a little root. Still, the wind blew and sand swirled around. Soon the shoot grew above the surface of the sand. It was green and little spikes at the top. All the other seeds shouted as they went spinning by,” It can’t be done, you’ll not survive, you will never grow.” “Yes, I can.” said the seed “Just watch me.” And the shoot grew taller and taller until it grew into a tree. It stood majestic against the bright yellow sand and the brilliant blue sky. All the seeds were amazed and surprised. Years went by and the tree just grew bigger and stronger and started dropping seeds to the ground. Pretty soon those new seeds opened up and sent little shoots up to the sky and little roots down into the sand. It wasn’t long before there were several little trees growing around the big trees.

3. Kaaga and Ranga

One day, Kaaga the crow was hungry and looked for food. There was a tall coconut tree close by. He flew to the tree and with his beak pecked the coconut. The coconut fell. He tried to break the coconut but it was too hard. He tried to lift the coconut but it was too heavy. “Ouch...” screamed Kaaga, “I wish, I were strong enough to break this coconut,” said Kaaga. Just then Ranga the baby elephant came near the tree. He too was very hungry. He looked at the coconut tree and shook the tree with his trunk. Not a single coconut fell. “I wish I could climb the tree, said Ranga. Kaaga gave the coconut to Ranga. He pecked a few more coconuts. Ranga broke all the coconuts with his foot. Both of them ate the coconut pieces and went away happily.

4. Courage to stand for Truth

Lokmanya Bal Gangadhar Tilak was a bright and very talented student. Once, in primary school during lunch interval some students ate groundnuts in the class and threw the shells on the floor. After the lunch break, the teacher entered the class and found groundnut shells scattered in the classroom. He asked the students, “Who has thrown these groundnut shells in the class?” There was silence in the classroom. No one spoke. This angered the teacher. He asked again firmly, “Speak up, who ate the groundnuts?” No one confessed. The teacher decided to punish the entire class. He asked everyone to stand up; all stood up except Bal Gangadhar Tilak. When the teacher asked him to stand, he said, “I did not eat the groundnuts. So, I will not stand. “Bal’s straight-forwardness and truthfulness made the teacher very uncomfortable. He became very annoyed and asked him to go out of class. Immediately Tilak said, though respectfully, “I feel this is neither fair nor just. What I told you about our innocence is the truth. I don’t want to see the innocent ones punished. So, please allow me to go out of the class.” Before the teacher could say a word, Tilak picked up his books and walked out of the classroom. All the boys admired Tilak’s courage and love for justice and truth. Even the teacher could not help praising Tilak. He looked at the class and said; “Tilak is no ordinary boy. If every student is as truthful and disciplined as he is, our country will have a great future.”

5. The Lion and the Mouse

A lion lay asleep in the forest, his great head resting on his paws. A timid little mouse came upon him unexpectedly, and in her fright and haste to get away, ran across the lion's nose. Roused from his nap, the lion laid his huge paw angrily on the tiny creature to kill her. "Spare

me!" begged the poor mouse. "Please let me go and someday I will surely repay you." The lion was much amused to think that a mouse could ever help him. But he was generous and finally let the mouse go. Some days later, while stalking his prey in the forest, the lion was caught in the toils of a hunter's net. Unable to free himself, he filled the forest with his angry roaring. The mouse knew the voice and quickly found the lion struggling in the net. Running to one of the great ropes that bound him, she gnawed it until it parted, and soon the lion was free. "You laughed when I said, I would repay you," said the mouse. "Now you see that even a mouse can help a lion."

6. The Great Elephant

A lone elephant walked through the forest, looking around for friends. She saw a monkey and asked, "Can we be friends, dear monkey?" The monkey quickly replied, "You are big and can't swing on trees as I do, so I cannot be your friend." The elephant continued the search until it stumbled across a rabbit and asked him, "Can we be friends, dear rabbit?" The rabbit looked at the elephant and replied, "You are too big to fit inside my burrow. You cannot be my friend." Then, the elephant continued until she met a frog. She asked, "Will you be my friend, dear frog?" The frog replied, "You are too big and heavy; you cannot jump like me. I am sorry, but you can't be my friend." The elephant continued to ask the animals she met on her way, but always received the same reply. The following day, the elephant saw all the forest animals run in fear. She stopped a bear to ask what was happening and was told the tiger was attacking all the small animals. The elephant wanted to save the other animals, so she went to the tiger and said, "Please, leave my friends alone. Do not eat them." The tiger didn't listen. He merely told the elephant to mind her own business. Seeing no other way, the elephant kicked the tiger and scared

him away. Upon hearing of the brave tale, all the animals said, "You are just the right size to be our friend".

7. Honeybee and the Bird

Once a bird and the honeybee were friends. One day the honeybee fell into the pond. The bird helped the bee by throwing a leaf in the water. The Honeybee climbed up the leaf and swam across to the land. One day a bird hunter was aiming to hit the bird. The Honeybee saw this. The Honeybee stung the hunter. The hunter ran away. The two friends had helped each other and were happy once again.

8. Face Saving

Tenali Rama was held in high regard by king Sri Krishnadevaraya and his courtiers. This made the chief priest envious, and he wanted to tarnish Rama's reputation in front of the king. One day, he went to the king and made false accusations against Tenali Rama. He also told the king that Rama had been slandering the king's name. The king believed the chief priest and called Rama to his court. Before Rama could speak, the king yelled, "Never show me your face again, or I will behead you." "But, your majesty, what did I...." asked Rama. "Enough! I do not want to listen to anything you have to say. You have to follow my orders," the king roared. Even though Rama tried to explain, the king was too enraged to listen. So, Rama left the court in sorrow. After a few days, the king came to know from his courtiers that Rama was innocent, and the chief priest had misrepresented him. The king realised his mistake and scolded the chief priest. He then ordered the guards to fetch Rama. To his surprise, Rama stepped in with his face covered with a pot. The king asked him, "Why are you covering your face with a pot, Rama?" Tenali Rama replied, "Your majesty, as a citizen of Vijayanagara, it is my duty to follow your orders, but I couldn't stay away from my royal duties. That is why, I took the help of this pot to hide my face from you, and at the same time, fulfill my royal duties." The king burst out laughing and asked Rama to remove the pot. He then embraced him and apologised for his hasty decision.

9. A Good Boy

Nandan was a very rude boy. He was rude to his parents, teachers and classmates. He had no friends. He played and studied alone. He even sat alone at the school. One day the teacher said "No studying today. All of you go out and play". All the children were happily playing. But Nandan sat alone. The teacher asked Nandan "Why are you not playing?" Nandan replied "Nobody wants to play with me". The teacher wanted to help Nandan. She thought; "If only Nandan was not rude, he would have a lot of friends to play with". She brought two glasses of water. "Nandan come here, drink water from both the glasses", she said, Nandan obeyed the teacher. He drank water from the first glass, it tasted very sweet. Then he drank the water from the second glass, he spat out the water. "Why did you spit out the water?" asked the teacher. "It's too salty" said Nandan. The teacher smiled. She said, all of us like to drink water. All of us need friends. If you are sweet, people will like you. If you are rude, nobody will like you. Everyone drinks water from ponds and lakes. Nobody drinks water from the sea as it is too salty". Nandan now understood why he had no friends. He changed himself. He

was nice to everyone. Soon he had a lot of friends. He was very happy. His teacher was happy and his parents were happy too.

10. Tenali Rama and the Great Pundits

One day, a great scholar came to Vijayanagara and requested an audience in the court of Sri Krishnadevaraya. The scholar bragged that he had mastered all the subjects and also defeated many scholars in a battle of wits across India. There was no pundit (a learned person) in India who could beat him. Saying so, he challenged Sri Krishnadevaraya for a battle of wits with his esteemed eight poets. The king accepted the challenge and started the battle of wits. All the poets were getting defeated one after the other, and the scholar seemed to know every subject. Rama laughed and removed the silk cloth. To everyone's surprise, it was not a book, but a bundle of twigs tied with a rope to appear like a book. Rama then said, "Oh great king, 'til' means sesame; 'kastha' is stick, and 'tilakastha' means 'sticks of mustard plants'; "This rope is used to tie oxen, which makes it 'mahisha bandhana' as 'mahisha' means ox and 'bandhana' means to bind." "I just used the Sanskrit names of all these things, and the pandit got scared thinking that this was some unknown piece of literature." The whole court burst out laughing, and Sri Krishnadevaraya praised Tenali Rama for his wit and humor.

11. The Boy Who Cried Wolf....Wolf

A boy had a duty to look after a flock of sheep. One day he started shouting, wolf, wolf, wolf for the sole purpose of fun. On hearing him the villagers rushed to help him. What started as a figment of his imagination, became his hobby and he started fooling the villagers. One day, when a wolf came, nobody came and as a result, the boy was eaten up. There was no one to blame but him.

Links of the e-resources on DIKSHA FLN Portal

Sl.	Title of the activity	Link
1.	कागज के टुकड़ों से चित्र बनाना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337241601446707211252?contentId=do_3134517982568284161520
2.	लालटेन बनाना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337242656863846411284?contentId=do_31341561990243123212647
3.	बीज को छाँटना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337242656863846411284?contentId=do_313450974475403264149
4.	सरल निर्देशों का पालन करना - भाग 2	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337242766539980811286?contentId=do_31341711959954227216467
5.	कविता: लम्बे दाढ़ी वाले बाबा	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337244958498816011637?contentId=do_31346021047139532811066
6.	अपने सबसे प्यारे मित्र का मौखिक वार्णन करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_3133802601737256961762
7.	मौखिक रूप से अपने पसंदीदा खेल का वर्णन करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_3133950469547950081260
8.	मौखिक रूप से अपनी दिनचर्या का वर्णन करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_3133950471700561921262
9.	मौखिक रूप से स्कूल से घर वापस आने के बाद की गतिविधियाँ बताना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_3133950473572188161263
10.	मौखिक रूप से स्कूल जाने के बारे में अपनी भावनाओं को व्यक्त करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_3133950478091714561264
11.	कार्यपत्रक बोलना, सुनना और पठन कौशल: चित्र पठन और बातचीत	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_3133853223579893761892
12.	कार्यपत्रक पठन व लेखन कौशल: कहानी पठन व लेखन	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_31338533839745843218338
13.	आकलन चित्र की मदद से कहानी सुनाना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_31331528387569254417795
14.	मौखिक रूप से चित्रों से एक कहानी का वर्णन करना - भाग 1	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_3134205414756679681539
15.	मौखिक रूप से चित्रों से एक कहानी का वर्णन करना - भाग 2	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_31346455036135014411601
16.	मौखिक रूप से चित्रों से एक कहानी का वर्णन करना - भाग 3	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_31346455062388736011025
17.	आकलन परिचित कहानियों के साथ अपने व्यक्तिगत अनुभवों को अपनी भाषा में जोड़ना और उनके बारे में बात करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_31331527828932198417788
18.	आकलन परिचित कहानियों के साथ अपने व्यक्तिगत अनुभवों को अपनी भाषा में जोड़ना और उनके बारे में बात करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_31338316519004569617300
19.	मिलते-जुलते शब्द	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_31344176288099532811794

Sl.	Title of the activity	Link
20.	सामान लय वाले शब्दों की पहचान करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_31331529169001676817805
21.	कार्यपत्रक लेखन कौशल: चित्र बनाना और लिखना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_31338533115995750418333
22.	मन की बातों को लिखकर अभिव्यक्त करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_31331529298522112017807
23.	कार्यपत्रक बोलना, लेखन और सुनने का कौशल: कहानी सुनना और बातचीत	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_3133853288656404481902
24.	अ आ इ' से शुरू होने वाले वस्तु को बनाना और रंग भरना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_31341066773765324812188
25.	Worksheets: Describes thoughts verbally	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245106012160011300?contentId=do_3133172665864028161901
26.	कार्यपत्रक बोलना और सुनने का कौशल: कविता सुनना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245138549145611759?contentId=do_31338658195898368019258
27.	कार्यपत्रक बोलना, पढ़ना और लेखन कौशल: बातचीत व लिखित उत्तर	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245138549145611759?contentId=do_31338658356381286412124
28.	कार्यपत्रक बोलना, पढ़ना और सुनने का कौशल: कविता गायन व चर्चा	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245138549145611759?contentId=do_31338658580122009619260
29.	कार्यपत्रक बोलना, पढ़ना और लेखन कौशल: कहानी सुनना व बातचीत	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245138549145611759?contentId=do_31338659266327347212131
30.	कथानक कविता की बानी	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245138549145611759?contentId=do_313293140881448960141190
31.	कार्यपत्रक बोलना, सुनना और पठन कौशल: चित्र पठन और बातचीत	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245138549145611759?contentId=do_31338652889282150419109
32.	गाओ और घुमाओ	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245138549145611759?contentId=do_31344174664709734411790
33.	कार्यपत्रक पठन व लेखन कौशल: कविता पठन	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245138549145611759?contentId=do_31338659184888217619265
34.	कार्यपत्रक लयात्मक शब्दों का मौखिक और लिखित रूप से निर्माण करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245138549145611759?contentId=do_31331649834245324819941
35.	कथानक किताबें कुछ कहना चाहती हैं...	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245138549145611759?contentId=do_31347506756589977611602
36.	कार्यपत्रक बोलना, सुनना और पठन कौशल: चित्र पठन और बातचीत	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245138549145611759?contentId=do_31338653042316902419110
37.	कार्यपत्रक लेखन कौशल: चित्र/लेखन द्वारा अपने विचार प्रस्तुत करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245138549145611759?contentId=do_31338655627367219219239
38.	कार्यपत्रक लेखन कौशल: चित्र/लेखन द्वारा अपने विचार प्रस्तुत करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245138549145611759?contentId=do_31338655725084672011778
39.	कार्यपत्रक पठन, सुनना, बोलना व लेखन कौशल: चित्र पठन और लेखन	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245138549145611759?contentId=do_31338656076985958419246
40.	अलग-अलग स्तर के साथ लेखन	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245138549145611759?contentId=do_31344195694636236811767
41.	लेखन	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451385491

Sl.	Title of the activity	Link
		45611759?contentId=do_31344195669594931211766
42.	Worksheets: Expresses verbally her or his likes/dislikes about the characters	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451385491 45611759?contentId=do_3133172892870983681943
43.	Worksheets: Respond to the questions related to stories and poems	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451385491 45611759?contentId=do_3133172909771653121948
44.	कार्यपत्रक कार्टॉकमों के प्रति अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए अपनी भाषा का प्रयोग	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082 24011301?contentId=do_313316629588246528111621
45.	कथानक 3 नए शब्द	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082 24011301?contentId=do_3133511712643317761298
46.	कथानक 1 बातचीत	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082 24011301?contentId=do_31347450871196057611195
47.	कथानक 2 कहानी	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082 24011301?contentId=do_31347503987053363211269
48.	मौखिक रूप से कहानी/कविता सुनाते समय उसे आगे बढ़ाना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082 24011301?contentId=do_31331576567288627217919
49.	कार्यपत्रक बोलना और लेखन कौशल: चित्र-पठन	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082 24011301?contentId=do_31339234171609907212
50.	आकलन अपनी शैली का प्रयोग करते हुए कहानियाँ सुनाना और कविता पाठ करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082 24011301?contentId=do_313316665683247104111748
51.	अपनी भाषा में अपने तरीके से/ अपनी शैली का प्रयोग करते हुए कहानियाँ सुनाना और कविता पाठ करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082 24011301?contentId=do_31331523475272499217763
52.	कथानक 4 पाठ्यपुस्तक	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082 24011301?contentId=do_313351173565095936189
53.	कहानी सम्बंधित गतिविधि	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082 24011301?contentId=do_3134319660660080641915
54.	कार्यपत्रक कहानी/कविता के बारे में अपनी राय अभिव्यक्त करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082 24011301?contentId=do_313316628826267648111619
55.	कहानी सम्बंधित गतिविधियाँ	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082 24011301?contentId=do_3134319817428746241931
56.	आम गिरा धप्प !	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082 24011301?contentId=do_31344250926711603213043
57.	अच्छा करो और अच्छा पाओ	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082 24011301?contentId=do_31344250947593830412438
58.	अकू	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082 24011301?contentId=do_31344251416807014412448
59.	अनोखी दुनिया	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082 24011301?contentId=do_31344251436583321612449
60.	बाघ का घमण्ड	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082 24011301?contentId=do_31344260666107494412491
61.	भारी कितना भारी	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082 24011301?contentId=do_31344260671352832013125

Sl.	Title of the activity	Link
62.	बिरयानी	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_31344457944776704014039
63.	चमली-छमली	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_31344457961036185614732
64.	आकलन पहेलियों को सुलझाना और लय को समझते हुए भाषा-खेलों, गीतों में रुचि लेना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_313316673083203584111820
65.	शब्दों से कहानी	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_31344192082718720011645
66.	मैंने देखा	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_31344176863424512011834
67.	अक्षर कूद	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_31344176875823923211835
68.	खुल जा सिमसिम	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_31344182433366835212086
69.	शब्द अंताक्षरी	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_31344182491695513611410
70.	एक से अनेक	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_31344188410940620812291
71.	बारी-बारी बढ़ी कहानी	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_31344192107039129611646
72.	एक मिनट बोलो	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_31344195654665011211765
73.	गतिविधि के बारे में बात करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_31331515946471424017731
74.	कथानक 5 लेखन	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_31347449949577216011187
75.	कार्यपत्रक लेखन कौशल: वाक्य रचना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_31339234861945651213095
76.	कार्यपत्रक विराम-चिह्नों का प्रयोग करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_313316626870476800111604
77.	लेखन	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_31344195669594931211766
78.	Worksheets: Develop vocabulary	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_3133172972659179521961
79.	Worksheets: Recites poems	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_3133172982886727681964
80.	Assessment: Recites poems	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_313316679921401856111832
81.	Worksheets: Participates in role play	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_3133172991102730241967
82.	Worksheets: Read print in the classroom	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_3133173008954327041971
83.	Infographics: Read print in the classroom	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082_24011301?contentId=do_31331876672904396814782
84.	Assessment: Writes briefly	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372451811082

Sl.	Title of the activity	Link
	about their visit to their home town	24011301?contentId=do_3133172472163123201864
85.	संगिरंगे लालटेन का मिलान	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245471186124811763?contentId=do_3134157680053370881313
86.	तुलनाकरके मोटा और पतला सीखना (भाग 2)	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245471186124811763?contentId=do_3134298566554664961819
87.	देख कर गिनना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245775616409611306?contentId=do_3133801902915010561257
88.	Taller -Shorter	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245924895948811888?contentId=do_3134594312341340161263
89.	Capacity Comparison	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337245924895948811888?contentId=do_3134594327966105601264
90.	लंबे और छोटे की पहचान -भाग 1	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337246001102028811308?contentId=do_31342618715744665611354
91.	लंबे और छोटे की पहचान -भाग 2	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337246001102028811308?contentId=do_31342694744102502411507
92.	लंबे और छोटे की पहचान -भाग 3	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337246001102028811308?contentId=do_31342694765296844811797
93.	वस्तुओं के स्थान की पहचान करना - भाग 1	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337246001102028811308?contentId=do_31342694797743718411798
94.	वस्तुओं के स्थान की पहचान करना - भाग 2	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337246001102028811308?contentId=do_31342772407845683212345
95.	वस्तुओं के स्थान की पहचान करना - भाग 3	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337246001102028811308?contentId=do_31342772544318668812346
96.	हल्के और भारी वस्तुओं को पहचानना- भाग 1	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337246001102028811308?contentId=do_3134545763411476481146
97.	छूकर भारी और हल्की वस्तुओं की पहचान करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337246001102028811308?contentId=do_3134545767117701121147
98.	बड़े और छोटे की पहचान	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337246001102028811308?contentId=do_31346512635641036812854
99.	1-10 गिनती करके हाथ धोएं और कोरोना को दूर रखें	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337246001102028811308?contentId=do_313392969241214976184
100.	संख्याओं को गिनने में होने वाली सामान्य गलतियां	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337246001102028811308?contentId=do_313392972282175488186
101.	संख्या और वस्तुओं को मिलाना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337246001102028811308?contentId=do_3133929794654289921324
102.	छूकर गिनती (संख्या1 से 9)	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337246001102028811308?contentId=do_313392979586990080192
103.	21-30 संख्याओं की गिनती करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337246001102028811308?contentId=do_31339520062094540811002
104.	31-40 संख्याओं की गिनती करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337246001102028811308?contentId=do_3134177472762839041367
105.	41-50 संख्याओं की गिनती करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_31337246001102028811308?contentId=do_3134177473958871041368
106.	1-20 संख्याओं की तुलना करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460011020

Sl.	Title of the activity	Link
		28811308?contentId=do_31339520051567001612578
107.	वस्तुओं के समूहों की तुलना करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460011020 28811308?contentId=do_31339520036143104011001
108.	बढ़ते या घटते क्रम में संख्याओं की व्यवस्था करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460011020 28811308?contentId=do_31339517698867200012410
109.	एक-अंकिय और दो-अंकिय संख्याओं की तुलना करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460011020 28811308?contentId=do_31339520022185574412577
110.	संख्या जोड़ने के लिए घेरलू वस्तुओं का उपयोग	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460011020 28811308?contentId=do_31341222616386764812883
111.	एक अंकीय संख्याओं को जोड़ना - भाग 4	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460011020 28811308?contentId=do_31341556027848294412448
112.	एक अंकीय संख्याओं को जोड़ना - भाग 1	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460011020 28811308?contentId=do_3134177576721203201392
113.	एक अंकीय संख्याओं को जोड़ना - भाग 2	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460011020 28811308?contentId=do_31341776253344153616928
114.	एक अंकीय संख्याओं का घटाव - भाग 4	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460011020 28811308?contentId=do_31341077388961382411762
115.	Subtraction in daily life	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460011020 28811308?contentId=do_313446865879711744161
116.	नोटों और सिक्कों को पहचानना- भाग 2	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460011020 28811308?contentId=do_3134261864478638081736
117.	आकार में पैटर्न	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460011020 28811308?contentId=do_31341981018243072013098
118.	ताली के साथ पैटर्न	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460011020 28811308?contentId=do_3134863451538636801957
119.	आंकड़ों को गिनना और दर्शाना-भाग 1	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460011020 28811308?contentId=do_31341981039756902413099
120.	आंकड़ों को गिनना और दर्शाना-भाग 2	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460011020 28811308?contentId=do_31341981068115148813100
121.	आंकड़ों को गिनना और दर्शाना-भाग 3	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460011020 28811308?contentId=do_31341983002728038413221
122.	Data Collections Through visuals.	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460011020 28811308?contentId=do_313446880761888768163
123.	महीनों से परिचय- भाग 1	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460011020 28811308?contentId=do_31346511722127360012188
124.	महीनों से परिचय- भाग 2	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460011020 28811308?contentId=do_31346511735332864012189
125.	Estimation and Measurement: Uniform Non-Standard Units	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460538200 06411889?contentId=do_3134469234558566401177
126.	Estimation of Length	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460538200 06411889?contentId=do_3134517163018649601696
127.	आरोही और अवरोही क्रम (संख्या: 1-50)	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460538200 06411889?contentId=do_31348636421367398411247
128.	बंडल तीली	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460538200 06411889?contentId=do_3134311946739056641282

Sl.	Title of the activity	Link
129.	सीधी और उल्टी गिनती करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460538200_06411889?contentId=do_31341768863813632016782
130.	1-30 तक सीधी और उल्टी गिनती करना	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460538200_06411889?contentId=do_31341768875542937613685
131.	50 से 1 तक उल्टी गिनती	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460538200_06411889?contentId=do_31341983013149900813222
132.	Application of addition in daily life	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460538200_06411889?contentId=do_313446910325391360196
133.	Addition and Subtraction in Daily Life	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460538200_06411889?contentId=do_3134517466952007681715
134.	Capacity of Containers	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372460538200_06411889?contentId=do_3134475611886878721498
135.	Worksheets: Identifies simple observable features	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372461089406_97611309?contentId=do_31332703700141670412912
136.	FLN EVS 6.1 Worksheet 1	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372461089406_97611309?contentId=do_31347520457255321611414
137.	FLN EVS 6.1 Worksheet 2	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372461089406_97611309?contentId=do_31347519348088832011397
138.	FLN EVS 6.1 Infographics	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372461089406_97611309?contentId=do_31347518957449216011393
139.	Worksheets: Identifies simple observable features	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372461089406_97611309?contentId=do_31332703856751411212914
140.	FLN EVS 6.2 Infographics	https://diksha.gov.in/play/collection/do_313372461089406_97611309?contentId=do_3134900065554186241392

NIPUN BHARAT PAKHWADA TEAM

ANITA KARWAL

Secretary

Department of School Education & Literacy
Govt. of India

MANEESH GARG

Joint Secretary

Mission Director NIPUN Bharat Mission
Department of School Education & Literacy
Govt. of India

RASHI SHARMA

Director

Samagra Shiksha
Department of School Education & Literacy
Govt. of India

REETU CHANDRA

(Convener)

Deputy Secretary
Assistant Mission Director NIPUN Bharat Mission
Department of School Education & Literacy
Govt. of India

RAJENDRA SINGH AND VINITA ARORA, Consultants



**Department of School Education and Literacy
Ministry of Education**

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्

मुख्य भवन ब्लॉक-5 एवं एकलव्य भवन

उपायुक्त (प्रशिक्षण एवं व्यालिटी) कार्यालय—मुख्य भवन ब्लॉक-6, प्रथम तला,

डॉ. एस. राधाकृष्णन् शिक्षा संकुल परिसर, जे.एल.एन मार्ग, जयपुर

फोन -0141-2708069

rajssaquality@gmail.com

क्रमांक:-रा.स्कू.शि.प. / जय / गुणवत्ता / 2022-23 / ८२३

दिनांक ६।५।२०२२

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं
पदेन जिला परियोजना समन्वयक,
समग्र शिक्षा, समस्त जिले।

अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक,
समग्र शिक्षा,
समस्त जिले।

विषय : दिनांक 04 से 16 मई 2022 तक निपुण भारत पखवाड़ा गतिविधि आयोजन के संबंध में।

संदर्भ : शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार का पत्र क्रमांक D.O. No. 01-02/2022-IS.13 Dated 28-04-2022

2. परिषद का पूर्व पत्र क्रमांक 707 दिनांक 02.05.2022

उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्र के क्रम में दिनांक 05 जुलाई 2021 को बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए निपुण भारत मिशन की शुरूआत की गई। निपुण भारत मिशन अन्तर्गत शिक्षा मंत्रालय भारत-सरकार द्वायथ नवाचार के रूप में “निपुण भारत पखवाड़ा” गतिविधि (15 दिवसीय कार्यक्रम) का आयोजन दिनांक 04 से 16 मई 2022 के मध्य किया जाना था।

शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार से प्राप्त निर्देशानुसार विद्यालयों में ग्रीष्मावकाश, गर्भी (लू का प्रकोप), कोविड के बढ़ते मामलों को देखते हुये “निपुण भारत पखवाड़ा” गतिविधि का आयोजन स्थगित किया जाता है। तदनुसार कार्यवाही सुनिश्चित करावें।


(सना सिंहदीकी)

अति. राज्य परियोजना निदेशक—॥

क्रमांक:-रा.स्कू.शि.प. / जय / गुणवत्ता / 2022-23 / ८२३

दिनांक ६।५।२०२२

प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थे एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु -

1. निजी सचिव, अतिरिक्त मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार।
2. निजी सचिव, राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर।
3. निजी सचिव, निदेशक माध्यमिक एवं प्रारम्भिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर।
4. निजी सहायक, अति. राज्य परियोजना निदेशक (प्रथम, द्वितीय) राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर।
5. मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, समस्त ब्लॉक।
6. कार्यालय प्रति।


उपायुक्त (द्वितीय)

राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद्

डॉ० राधाकृष्णन् शिक्षा संकुल, ब्लॉक-६, जवाहर लाल नेहरू मार्ग,
ओ.टी.एस. पुलिया के सामने, जयपुर-३०२०१७

क्रमांक : रा.स्कूल.शि.प./जय/प्रशिक्षण/2022-23/ 2037

E-mail: rajssa.training@gmail.com

दिनांक : ९/६/२०२२

बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान आधारित शिक्षक प्रशिक्षण दिशा-निर्देश 2022-23

बुनियादी शिक्षण विद्यार्थियों के भावी जीवन में सीखने का आधार होता है। यदि विद्यार्थी शुरूआती कक्षाओं में समझ के साथ बुनियादी पठन-लेखन और गणितीय कौशलों को हासिल नहीं कर पाते हैं तो उन्हें आगे की कक्षाओं में सीखने में निरन्तर चुनौतियों का समाना करना पड़ता है। प्रारम्भिक शिक्षा के महत्व को स्वीकार करते हुए नवीन राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 की अनुसार “हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता प्राथमिक कक्षाओं में 2026-27 तक सार्वभौमिक बुनियादी साक्षरता और संख्या ज्ञान (FLN) प्राप्त करना होना चाहिए।” बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान के क्रियान्वयन हेतु देश में निपुण भारत मिशन की शुरूआत की गई है।

निपुण भारत मिशन के उद्देश्य –

1. 2026-27 तक कक्षा 03 (3 से 9 वर्ष की आयु) तक के विद्यार्थियों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्या ज्ञान की दक्षताओं का विकास कर व्यस्त पाठक व लेखक बनने और समस्या समाधान में सक्षम बनाना।
2. विद्यार्थियों के अधिगम में खेल-खोज, गतिविधि आधारित, दैनिक जीवन व स्थानीय भाषा को शामिल कर उन्हें समावेशी कक्षा का माहौल प्रदान करना।
3. शिक्षकों, प्रधानाचार्यों, शिक्षा अधिकारियों और शैक्षणिक संस्थाओं का निरन्तर क्षमता निर्माण करना।
4. आजीवन सीखने के लिए सभी हितधारकों (शिक्षकों, अभिभावकों, विद्यार्थियों और समुदाय) के साथ सक्रिय रूप से जुड़ना।

निपुण भारत के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रारम्भिक, माध्यमिक शिक्षा एवं संस्कृत शिक्षा विभाग के राजकीय विद्यालयों में कक्षा 1-5 में अध्यापन कराने वाले 144236 शिक्षकों का 6 दिवसीय गैर आवासीय प्रशिक्षण कराया जाना है। प्रशिक्षण हेतु अध्यापक लेवल-1 को प्राथमिकता प्रदान की जानी है। जिला द्वारा परिशिष्ट-स अनुसार आवंटित लक्ष्य के अनुसार प्रशिक्षण का आयोजन कराया जाना है।

1. प्रशिक्षण का स्वरूप एवं स्तर :

इस प्रशिक्षण के आयोजन हेतु आरएससीईआरटी, उदयपुर के द्वारा मॉड्यूल तैयार किए गए हैं। जिनके माध्यम से राज्य स्तर पर राज्य स्तरीय सन्दर्भ समूह (State Resource Group SRG) को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। SRG के माध्यम से जिला स्तर पर मुख्य संदर्भ व्यक्तियों (KRP) को प्रशिक्षित किया जाना है। संदर्भ व्यक्ति द्वारा ब्लॉक के अधीन विद्यालयों में कक्षा 1-5 का अध्यापन कराने वाले शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। राज्य, जिला एवं ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण अन्तर्गत आरएससीईआरटी, उदयपुर एवं समस्त डाइट्स द्वारा अकादमिक सम्बलन प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम निम्नानुसार है –

क्र.सं.	प्रशिक्षण का प्रकार	स्तर	समयावधि	संभागी
1	एसआरजी	राज्य	13–18 जून, 2022	जिला/राज्य स्तर से चयनित एसआरजी (जिलेवार संलग्न सूची परिशिष्ट—अ के अनुसार)
2	मुख्य संदर्भ व्यक्ति	जिला	20–25 जून, 2022	जिला/ब्लॉक स्तर से चयनित, 10 संदर्भ व्यक्ति प्रति ब्लॉक (जिलेवार मुख्य संदर्भ व्यक्ति की सूची परिशिष्ट—ब पर संलग्न)
3	शिक्षक	जिला/ब्लॉक	27 जून से 02 जुलाई, 2022	कक्षा 1–5 में अध्यापन कराने वाले शिक्षक, ब्लॉक पर उपलब्ध संसाधन एवं प्रशिक्षण स्थल की उपलब्धता के अनुसार 40–50 शिक्षकों के बैच बनाकर प्रशिक्षण आयोजित किए जाएं।
			04–09 जुलाई, 2022	
			11–16 जुलाई, 2022	
			18–23 जुलाई, 2022	

नोट – राज्य सन्दर्भ व्यक्ति (SRG) का जिलेवार चयन परिशिष्ट—अ पर संलग्न सूची अनुसार किया जाना है तथा मुख्य संदर्भ व्यक्ति (KRP) का चयन प्रत्येक ब्लॉक कार्यालय से 10 संदर्भ व्यक्ति के अनुसार परिशिष्ट—ब में अंकित जिले की लक्षित संख्या तक ही किया जाना है।

2. प्रशिक्षण समयावधि :

क्र.सं.	कार्य योजना	समय
1	प्रशिक्षण स्थल पर संभागियों की उपस्थिति	9.30 से 10.00 बजे
2	प्रशिक्षण—प्रथम सत्र	10.00 से 11.30 बजे
3	अल्पाहार, चाय	11.30 से 11.40 बजे
4	द्वितीय सत्र	11.40 से 1.10 बजे
5	मध्याह्न भोजन	1.10 से 1.50 बजे
6	तृतीय सत्र	1.50 से 3.20 बजे
7	चाय	3.20 से 3.30 बजे
8	चतुर्थ सत्र	3.30 से 5.00 बजे

3. प्रशिक्षण व्यय मानक :

3.1: राज्य स्तरीय राज्य सन्दर्भ समूह (SRG) प्रशिक्षण (आवासीय) :

800 रु प्रति संभागी प्रति दिवस अनुसार 40 संभागियों के लिए

क्र.सं.	गतिविधि	कार्यदिवस	भौतिक लक्ष्य	दर	राशि (रु. में)
1	बैठक व्यवस्था (प्रशिक्षण स्थल, बैठक, आवास व्यवस्था)	6	42	200	50400
2	बिजली, पुर्खे, कूलर, पेय—जल	6	1	800	4800
3	संदर्भ व्यक्ति मानदेय	6	2	800	9600
4	संदर्भ व्यक्ति मानदेय (तैयारी बैठक)	1	2	400	800
5	चाय, अल्पाहार, भोजन	6	43	250	64500
6	स्टेशनरी (पेन एवं नोटपेड)	1	40	50	2000
7	लेपटॉप, प्रोजेक्टर	6	1	500	3000
8	संभागियों एवं संदर्भ व्यक्ति का यात्रा भत्ता एवं किराया				49500
9	विविध(जनरेटर, मॉड्यूल प्रति, फोटो कॉपी, साफ—सफाई आदि)				7400
कुल व्यय					192000

3.2 जिला स्तरीय मुख्य सन्दर्भ व्यक्ति (KRP) प्रशिक्षण :

500 रु प्रति संभागी प्रति दिवस अनुसार 40 संभागियों के लिए

क्र.सं.	गतिविधि	कार्यदिवस	भौतिक लक्ष्य	दर	राशि (रु. में)
1	बैठक व्यवस्था (प्रशिक्षण स्थल, बैठक व्यवस्था)	6	42	25	6300
2	बिजली, पंखे, कूलर, पेय—जल	6	1	700	4200
3	व्यवस्थापक मानदेय	6	1	500	3000
4	संदर्भ व्यक्ति मानदेय	6	2	800	9600
5	संदर्भ व्यक्ति (तैयारी बैठक) मानदेय	1	2	400	800
6	चाय, अल्पाहार, भोजन	6	43	150	38700
7	स्टेशनरी (पेन एवं नोटपेड)	1	40	50	2000
8	लेपटॉप, प्रोजेक्टर	6	1	500	3000
9	संभागियों एवं संदर्भ व्यक्ति का यात्रा भत्ता एवं किराया				48000
10	विविध (जनरेटर, फोटो कॉपी, साफ—सफाई)				4400
कुल योग					120000

3.3 ब्लॉक स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण :

500 रु प्रति संभागी प्रति दिवस अनुसार 40 संभागियों के लिए

क्र.सं.	गतिविधि	कार्यदिवस	भौतिक लक्ष्य	दर	राशि (रु. में)
1	बैठक व्यवस्था (प्रशिक्षण स्थल, बैठक व्यवस्था)	6	42	25	6300
2	बिजली, पंखे, कूलर, पेय—जल	6	1	800	4800
3	व्यवस्थापक मानदेय	6	1	500	3000
4	संदर्भ व्यक्ति मानदेय	6	2	800	9600
5	संदर्भ व्यक्ति (तैयारी बैठक) मानदेय	1	2	400	800
6	चाय, अल्पाहार, भोजन	6	43	150	38700
7	स्टेशनरी (पेन एवं नोटपेड)	1	40	50	2000
8	लेपटॉप, प्रोजेक्टर, टीएलएम	6	1	700	4200
9	संभागी मानदेय	6	40	150	36000
10	संभागियों एवं संदर्भ व्यक्ति का यात्रा भत्ता एवं किराया				2800
11	विविध (जनरेटर, फोटो कॉपी, साफ—सफाई)				11800
कुल योग					120000

- उपरोक्त सारणियों के उपमदों में राशि आवंटन में आंशिक परिवर्तन (Re-appropriation) स्थानीय आवश्यकतानुसार जिला/ब्लॉक/राज्य स्तरीय समिति की अनुशंसा से किया जा सकता है, किन्तु कुल व्यय, दी गई बजट सीमा से अधिक न हो।
- संभागियों को नियमानुसार 1/4 दैनिक भत्ता का भुगतान शिक्षक वेतन मद की राशि से किया जायेगा।

नोट : विभिन्न प्रशिक्षणों हेतु बजट मानदण्ड अलग हैं तथा बजट मानदण्ड प्रति व्यक्ति प्रति दिवस के अनुसार स्वीकृत किए गए हैं। अतः ध्यान रहें — प्रशिक्षणों के उपयोगिता प्रमाण पत्र भौतिक उपलब्धि \times इकाई लागत \times कुल प्रशिक्षण दिवस के अनुसार ही स्वीकृत किए जाएंगे।

4. शिक्षक प्रशिक्षण समितियां :

शिक्षक प्रशिक्षण के सफल संचालन हेतु निम्न समितियों का गठन किया जाना है :

क्र.सं.	नाम अधिकारी	पदनाम
जिला स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण समिति :		
1	मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी एवं पदेन जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा	अध्यक्ष एवं जिला नोडल प्रभारी
2	अति. जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा	सदस्य सचिव
3	प्रधानाचार्य, डाइट	सदस्य
4	सहायक परियोजना समन्वयक (प्रशिक्षण)	सदस्य
5	कार्यक्रम अधिकारी (प्रशिक्षण)	सदस्य
6	लेखा प्रतिनिधि	सदस्य
7	तकनीकी प्रभारी—एमआईएस	तकनीकी सहायक
ब्लॉक स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण समिति :		
1	मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी व पदेन खण्ड संदर्भ केन्द्र प्रभारी, समग्र शिक्षा	अध्यक्ष एवं ब्लॉक नोडल प्रभारी
2	अति. मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी—प्रशिक्षण, समग्र शिक्षा	सदस्य
3	संदर्भ व्यक्ति (प्रशिक्षण)	सदस्य
4	लेखा प्रतिनिधि	सदस्य
5	तकनीकी प्रभारी—एमआईएस	तकनीकी सहायक

5. राज्य संदर्भ समूह एवं मुख्य संदर्भ समूह चयन का आधार :

- प्रशिक्षण के आयोजन हेतु मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा परिशिष्ट—अ अनुसार SRG तथा परिशिष्ट—ब अनुसार KRP का चयन किया जाना है। इनके चयन हेतु निम्न बातों को ध्यान में रखा जाना है—
 - विभाग में कार्यरत अधिकारी / कार्मिक।
 - नवाचारी गतिविधियों में भाग लेने वाला व्यक्ति।
 - शिक्षक प्रशिक्षण का अनुभव रखने वाला व्यक्ति।
 - परिवीक्षा काल पूर्ण कर चुका एवं कम से कम 3 वर्ष का शिक्षण अनुभव।
 - विभागीय कार्यवाही लम्बित न हो।

6. प्रशिक्षण क्रियान्वयन के चरण :

6.1 राज्य स्तरीय SRG प्रशिक्षण :

- स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर द्वारा परिशिष्ट —अ अनुसार जिले की निर्धारित संख्या में SRG प्रशिक्षण के आदेश जारी किए जायेंगे।
- SRG प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षण स्थल का चयन करते हुए प्रशिक्षण का आयोजन करवाना।
- प्रशिक्षण हेतु चयनित प्रशिक्षण संस्था के मुखिया द्वारा उपस्थित संभागियों को प्रशिक्षण मॉड्यूल की फोटो प्रति उपलब्ध कराना।

6.2 जिला स्तरीय मुख्य संदर्भ व्यक्ति (KRP) प्रशिक्षण :

- मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी व पदेन जिला परियोजना समन्वयक द्वारा जिला स्तर से आयोजित सभी प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन एवं समस्त प्रशासनिक कार्यों की मॉनिटरिंग सुनिश्चित करना।
- मुख्य संदर्भ व्यक्ति (प्रति ब्लॉक 10) एवं प्रशिक्षण स्थल का चयन मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में गठित जिला शिक्षक प्रशिक्षण समिति द्वारा किया जाएगा। प्रशिक्षण स्थल का चयन गर्मी के मौसम, उपलब्ध संसाधन (पंखे, कूलर, पानी, जनरेटर आदि) को ध्यान में रखते हुए किया जाए।

- 3) मुख्य संदर्भ व्यक्तियों के प्रशिक्षण के आदेश जारी करना तथा प्रशिक्षण कार्यक्रम की व्यवस्थाओं का पूर्व अवलोकन करते हुए प्रशिक्षण कराना।
- 4) परिषद द्वारा जिला कार्यालय पर उपलब्ध कराए गए प्रशिक्षण मॉड्यूल को ब्लॉक कार्यालय के माध्यम से प्रशिक्षण स्थल तक प्रशिक्षण आयोजन से पूर्व पहुंचाना सुनिश्चित करें।
- 5) मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा ^{परिशिष्ट-}स अनुसार जिले को आवंटित शिक्षक प्रशिक्षण लक्ष्य अनुसार समस्त ब्लॉक को लक्षित शिक्षकों की संख्या को आवंटित करते हुए प्रशिक्षण कराया जाना है।
- 6) ब्लॉक स्तर पर आयोजित होने वाले समस्त प्रकार के शिक्षक प्रशिक्षणों की व्यवस्था, आयोजन तथा मॉनिटरिंग का समस्त दायित्व संयुक्त रूप से ब्लॉक एवं जिला स्तरीय समिति का होगा।
- 7) अति. जिला परियोजना समन्वयक द्वारा जिले को आवंटित लक्ष्यानुसार प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र का मुद्रण जिले के **MMMER** मद से किया जावें। प्रमाण-पत्र का प्रारूप ^{परिशिष्ट-}द पर संलग्न है।
- 8) जिला स्तर से आयोजित प्रशिक्षणों में अनुपस्थित संभागियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही प्रस्तावित करते हुए राज्य कार्यालय पर प्रेषित करना।
- 9) मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा विशेष परिस्थिति में संभागी के ब्लॉक को परिवर्तित किया जा सकता है किन्तु किसी भी परिस्थिति में संभागी का जिला परिवर्तन संभव नहीं होगा।
- 10) सीडीईओ द्वारा संबंधित जिले के शिक्षक प्रशिक्षण संबंधित प्रकरणों का नियमानुसार निस्तारण करना।
- 11) जिला स्तर पर प्रशिक्षण समयावधि में कन्ट्रोल रूप की स्थापना करना।
- 12) जिला स्तर से मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, अति. जिला परियोजना समन्वयक, जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक एवं माध्यमिक), प्रधानाचार्य-डाइट, सहायक परियोजना समन्वयक, कार्यक्रम अधिकारी द्वारा कम से कम 3 प्रशिक्षण शिविर पृथक-पृथक प्रति चरण का अवलोकन एवं सम्बलन किया जाना है।
- 13) निरीक्षण हेतु प्रस्तावित कार्यक्रम की सूचना प्रशिक्षण शिविर प्रारम्भ होने से पूर्व सीडीईओ कार्यालय को उपलब्ध करवाई जाये। जिससे एक ही समय दो दलों द्वारा एक ही प्रशिक्षण शिविर के अवलोकन से बचा जा सके।
- 14) जिला परियोजना कार्यालय एवं डाईट परस्पर समन्वयन से प्रशिक्षण का सफल संचालन करेंगे।

6.3 ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षणों हेतु निर्देश :

- जिला कार्यालय द्वारा ब्लॉक कार्यालय को आवंटित लक्ष्यानुसार 40–50 संभागी प्रति शिविर अनुसार कुल शिविर का निर्धारण ब्लॉक शिक्षक प्रशिक्षण समिति द्वारा किया जाएगा। अति. जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा से बजट आहरण की स्वीकृति के पश्चात ब्लॉक स्तर पर गठित समिति द्वारा राशि का व्यय किया जाएगा।
- मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी द्वारा शिक्षक संभागियों के प्रशिक्षण आदेश जारी किए जाएंगे। प्रशिक्षण की समस्त व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करें। प्रशिक्षण के सफल संचालन हेतु विभागीय अधिकारी/कार्मिक को प्रशिक्षण शिविर प्रभारी नियुक्त करें।
- प्रशिक्षण शिविर प्रभारी प्रशिक्षण का उपस्थिति रजिस्टर नियमित रूप से संधारण करें एवं व्यवस्थाओं संबंधी व्यय का रिकार्ड संधारित कर व्यय वाउचर सहित उपयोगिता प्रमाण पत्र ब्लॉक कार्यालय को प्रशिक्षण समाप्ति के तुरन्त पश्चात प्रेषित करेंगे।
- मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, अति. मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी एवं संदर्भ व्यक्ति (प्रशिक्षण) द्वारा प्रति चरण 3 प्रशिक्षण शिविरों का अवलोकन एवं सम्बलन किया जाएगा।
- मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी प्रशिक्षण शिविर पूर्ण होने के 7 दिवस में सभ्भागियों एवं प्रशिक्षकों के मानदेय, यात्रा भत्ता आदि की राशि उनके बैंक खाते में जमा करवायेंगे, साथ ही प्रशिक्षण के व्यय समायोजन की सूचना प्रशिक्षण समाप्ति के 15 दिवस में जिला परियोजना समन्वयक कार्यालय समग्र शिक्षा को उपलब्ध करवायेंगे।
- प्रशिक्षण शिविर की दैनिक उपस्थिति प्रातः एवं सायं की सूचना ब्लॉक कन्ट्रोलरूम से जिला स्तरीय कन्ट्रोलरूम को निर्धारित प्रारूप—। में उपलब्ध कराई जाएगी। जिला स्तर से समस्त प्रशिक्षण शिविरों की उपस्थिति समेकित करते हुए परिषद की प्रशिक्षण प्रकोष्ठ की ई-मेल आईडी : rajssa.training@gmail.com पर भिजवाई जानी है।

जिला	दिनांक			
ब्लॉक	प्रशिक्षण स्थल	प्रशिक्षण दिनांक (..... से तक)	आमंत्रित संभागी	उपस्थित संभागी
			प्रातः	सायं

- माह जुलाई 2022 के प्रथम सप्ताह में जिला कार्यालय द्वारा समेकित प्रशिक्षण प्रगति (भौतिक व वित्तीय) रिपोर्ट प्रारूप-II स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर के प्रशिक्षण प्रकोष्ठ की ई-मेल आईडी : rajssa.training@gmail.com पर भिजवाएंगे।

प्रारूप-II

क्र.सं.	ब्लॉक	कुल प्रशिक्षण शिविर	भौतिक प्रगति		वित्तीय प्रगति	
			लक्ष्य	उपलब्धि	लक्ष्य	उपलब्धि

- जिले को आवंटित भौतिक एवं वित्तीय लक्ष्य से अधिक समायोजन एवं प्रशिक्षण मानकों से अधिक व्यय नहीं किया जाये।
- जिस मद में राशि उपलब्ध कराई जा रही है व्यय उसी मद में किया जाये।
- प्रशिक्षणोपरान्त प्राप्त बजट के व्यय समायोजन पश्चात् उपभोगिता प्रमाण, पत्र निर्धारित प्रारूप में स्कूल शिक्षा परिषद के प्रशिक्षण प्रकोष्ठ को भिजवाया जाना सुनिश्चित करें।
- प्रशिक्षण अन्तर्गत राशि का उपयोग योजना के दिशा-निर्देश, भारत सरकार की गाइडलाईन व लोक उपायन में पारदर्शिता अधिनियम-2012 एवं नियम-2013 तथा वित्तीय नियमों की पूर्ण पालना करते हुए विहित प्रक्रिया अनुसार किया जाना सुनिश्चित किया जाये।
- शिविर में संभागियों की संख्या के आधार पर प्रशिक्षण के लिए निर्धारित व्यय मानक स्वतः ही अनुपातिक रूप से परिवर्तित हो जायेंगे।
- यात्रा भत्ता, दैनिक भत्ता एवं मानदेय के अतिरिक्त अन्य मदों में सम्मावित व्यय राशि 10,000 रुपये से अधिक तथा रुपये 1,00,000 तक है तो लेखा नियमानुसार सीमित निविदा प्राप्त कर कार्य करवाया जाये।
- किसी भी स्थिति में शिक्षक या संदर्भ व्यक्तियों को नकद भुगतान नहीं किया जाये।

7. प्रशिक्षण बैच निर्धारण हेतु मापदण्ड :

- प्रत्येक बैच में 40–50 संभागी प्रति कक्ष अनुसार बैठक व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रत्येक बैच के लिए 2 केआरपी को नियुक्त किया जाना है।
- बैच निर्धारण में विशेष रूप से ध्यान रखा जाये कि विद्यालय संचालन की अवधि में शिक्षण व्यवस्था बाधित न हो, इस हेतु एक विद्यालय से एक ही चरण में समस्त संभागियों को शामिल न करते हुये विभिन्न चरणों में शिक्षण व्यवस्थानुरूप बैच निर्धारण किया जाये। एकल शिक्षक होने की स्थिति में पीईईओ के माध्यम से वैकल्पिक शिक्षण व्यवस्था करते हुये संबंधित शिक्षक को प्रशिक्षण में भेजा जाये।

8. शिक्षक प्रशिक्षण में शिथिलन आधार :

- गर्भवती शिक्षिका संभागियों को।
- ऐसी महिला शिक्षिकाएं जिनके शिशु की आयु 06 माह तक की हो।
- ऐसे शिक्षक, जिनकी सेवानिवृत्ति में 01 वर्ष या इससे कम समय शेष हो।
- ऐसे शिक्षक जो गंभीर रोग से पीड़ित हो, को चिकित्सा अधिकारी द्वारा प्रमाणित दस्तावेजों के आधार पर।
- ऐसे शिक्षक जो केआरपी/एसआरपी के रूप में प्रशिक्षण दे रहे हैं।

- उपर्युक्त मापदण्डों के आधार पर छूट दिये गये कार्मिक के स्थान पर अन्य कार्मिक को नामांकित किया जाये, जिससे आवंटित लक्ष्य प्रभावित ना हो। छूट दिये गये कार्मिक एवं उनके स्थान पर नामांकित शिक्षक का विवरण स्कूल शिक्षा परिषद / RSCERT को भिजवाया जावे।
- शिक्षक प्रशिक्षण से शिथिलन का अधिकार मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा को अधिकृत किया जाता है। समिति की अभिशंषा एवं उचित दस्तावेज संलग्न करने के पश्चात् ही कार्मिक को प्रशिक्षण से मुक्त रखा जावे। इसकी समस्त जिम्मेदारी मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी समग्र शिक्षा की होगी।

9. प्रशिक्षण पूर्व तैयारी :

- शिक्षक संभागियों के आदेश प्रशिक्षणों के 10 दिवस पूर्व शिक्षकों तक पहुँचाना सुनिश्चित करवाए।
- प्रशिक्षण हेतु समस्त भौतिक संसाधनों के साथ-साथ शैक्षिक तैयारी अत्यन्त महत्वपूर्ण है। अतः प्रशिक्षण से पूर्व दिवस प्रशिक्षण स्थल पर एक दिवसीय बैठक आयोजित करना सुनिश्चित करें। बैठक में मुख्य संदर्भ समूह के साथ शिविर प्रभारी, APC/PO व संबंधित RP आवश्यक रूप से मौजूद रहें।
- मॉड्यूल कार्यक्रमानुसार सत्रों की पूर्ण संरचना तैयार कर ली जाए।

विशेष नोट : जिला एवं ब्लॉक स्तरीय शिक्षक प्रशिक्षण समिति द्वारा प्रशिक्षण स्थल पर लेपटॉप, प्रोजेक्टर, कक्षा 1-5 की पाठ्यपुस्तकें, कार्यपुस्तिकाएं, एबीएल किट (कक्षा 1-5 एवं 3-5), निपुण भारत मिशन की गाइडलाइन (हिन्दी), स्कूल रेडिनेस पैकेज, सीसीई सामग्री एवं मुख्य संदर्भ व्यक्ति की आवश्यकतानुसार दस्तावेज एवं सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित करें।

10. प्रशिक्षण के दौरान :

- प्रशिक्षण में शामिल महत्वपूर्ण विषयों के सम्बन्धित आलेखों व सामग्री की स्पष्ट फोटो प्रति भी प्रशिक्षणार्थियों को देने की व्यवस्था की जावे।
- प्रशिक्षण के दौरान संभागियों द्वारा तैयार की गई सामग्री का प्रदर्शन प्रशिक्षण स्थल पर किया जावे।
- प्रशिक्षण के दौरान संभागियों को अभिव्यक्ति संवर्धन के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराये जायें।
- प्रशिक्षण के प्रथम दिवस प्री टेस्ट एवं अन्तिम दिवस पोस्ट टेस्ट का आयोजन मॉड्यूल में अंकित गूगल फॉर्म के माध्यम से करवाया जायें।
- प्रशिक्षण में प्रतिदिन राज्य संदर्भ समूह/मुख्य संदर्भ व्यक्ति, शिविर प्रभारी तथा कार्यक्रम अधिकारी संदर्भ व्यक्ति समग्र शिक्षा द्वारा कोर ग्रुप बैठक आयोजित कर प्रशिक्षण सत्र की समीक्षा तथा आगामी दिवस की कार्ययोजना तैयार की जायेगी।

11. संभागियों की उपस्थिति :

- आमंत्रित संभागियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाये।
- प्रशिक्षणार्थी प्रशिक्षण स्थल पर प्रातः 9.30 बजे उपस्थित हो एवं पूर्णकालिक उपस्थिति सायं 5.00 बजे तक सुनिश्चित की जाये।

12. शिविर प्रभारी की भूमिका :

- समिति द्वारा प्रशिक्षण स्थल से सम्बन्धित संस्था प्रधान/अन्य नियुक्त व्यक्ति शिविर प्रभारी की भूमिका में रहेंगे।
- प्रशिक्षण के 1 दिन पूर्व तैयारी बैठक में सम्मिलित हों।
- प्रशिक्षण हेतु आवश्यक सामग्री (कक्षा 1-5 की पाठ्यपुस्तकें, कार्यपुस्तिका, एबीएल किट, सीसीई सामग्री, स्कूल रेडिनेस पैकेज) की उपलब्धता सुनिश्चित करें।
- संस्थान में उपलब्ध संसाधन (कम्प्यूटर लैब, पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशाला) का उपयोग सुनिश्चित करें।
- प्रशिक्षण स्थल पर साफ-सफाई, पानी, फर्नीचर आदि उपलब्ध करवाना सुनिश्चित करें।
- रुचि व सामर्थ्य के अनुसार शैक्षिक सत्रों में सहभागिता करें।
- प्रशिक्षण अभिलेख संधारण में निर्देशानुसार कार्य करवायें।

13. अभिलेख संधारण :

- संभागियों का पंजीकरण एवं फीडबैक।
- संदर्भ व्यक्तियों द्वारा प्रशिक्षणोपरान्त फीडबैक।
- संभागियों एवं मुख्य संदर्भ व्यक्तियों का उपस्थिति पत्रक, जिसमें शिक्षक के मोबाइल नं. एवं ई-मेल आईडी भी अंकित किये जायें।
- संभागियों का विषयवार परख पत्रों एवं उपलब्धि पत्रक मय विश्लेषण।
- प्रशिक्षण समाप्ति के पश्चात् प्रशिक्षण प्रतिवेदन (रंगीन स्पाईरल प्रति) तैयार कर दो प्रतियों में SCERT, Udaipur एवं परिषद कार्यालय, जयपुर को प्रेषित करवायें एवं एक-एक प्रति क्रमशः जिला स्तर पर डाईट एवं सीडीईओ कार्यालय में तथा ब्लॉक स्तर पर संधारित करें।

14. नियंत्रण कक्ष की स्थापना :

- प्रशिक्षण संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान, मॉनिटरिंग एवं समस्याओं के निराकरण हेतु जिला स्तर पर अति. जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा तथा सीबीईओ कार्यालय में (ब्लॉक स्तरीय प्रशिक्षण हेतु) प्रशिक्षण अवधि में एक नियंत्रण कक्ष की स्थापना की जावे।
- नियंत्रण कक्ष पर नियमित रूप से प्रभारी की नियुक्ति की जावें। जो ब्लॉकों से परिशिष्ट-य, दैनिक उपस्थिति आदि सूचनायें लेकर समेकित कर एससीईआरटी, उदयपुर की ई-मेल : director.rscert@rajasthan.gov.in एवं परिषद स्थित प्रशिक्षण शाखा की ई-मेल rajssa.training@gmail.com पर अनिवार्यतः उसी दिन भेजेंगे।
- पर्यवेक्षण दल द्वारा प्रतिदिन का अवलोकन प्रतिवेदन जिले से आरएससीईआरटी, उदयपुर एवं परिषद कार्यालय को प्रेषित किया जावे।

21/09/2022

(डॉ. मोहन लाल यादव)

राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त
राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर

दिनांक: 9/10/2022

क्रमांक: रास्कूलशिप/जय/प्रशिक्षण/2022-23/ 2037

प्रतिलिपि निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है –

1. निजी सचिव, अति. मुख्य सचिव, स्कूल शिक्षा विभाग, राजस्थान सरकार, जयपुर।
2. निजी सचिव, राज्य परियोजना निदेशक एवं आयुक्त, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर।
3. निजी सचिव, निदेशक, माध्यमिक एवं प्रारम्भिक शिक्षा, राजस्थान बीकानेर।
4. निजी सहायक, निदेशक, आरएससीईआरटी, उदयपुर।
5. निजी सहायक, निदेशक, संस्कृत शिक्षा, राजस्थान जयपुर।
6. निजी सहायक, अति. राज्य परियोजना निदेशक— प्रथम, रा.स्कू.शि.प., जयपुर।
7. संयुक्त निदेशक, राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद, जयपुर।
8. संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा, समस्त संभाग।
9. जिला शिक्षा अधिकारी (मुख्यालय) प्राशि/माशि, समस्त जिले।
10. मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी, समस्त जिले।
11. अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक, समग्र शिक्षा, समस्त जिले।
12. मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, समस्त ब्लॉक।
13. यूसीईईओ/पीईईओ, समस्त।
14. कार्यालय प्रति।

600

अति. राज्य परियोजना निदेशक—प्रथम

प्रशिक्षण हेतु जिलेवार निर्धारित राज्य संदर्भ समूह हेतु निर्धारित संख्या

S.N.	District	SRG
1	AJMER	5
2	ALWAR	7
3	BANSWARA	7
4	BARAN	5
5	BARMER	10
6	BHARATPUR	5
7	BHILWARA	7
8	BIKANER	5
9	BUNDI	3
10	CHITTAURGARH	7
11	CHURU	5
12	DAUSA	5
13	DHAULPUR	3
14	DUNGARPUR	5
15	GANGANAGAR	5
16	HANUMANGARH	5
17	JAIPUR	10
18	JAISALMER	3
19	JALOR	5
20	JHALAWAR	5
21	JHUNJHUNU	5
22	JODHPUR	10
23	KARAULI	5
24	KOTA	5
25	NAGAUR	7
26	PALI	5
27	PRATAPGARH (RAJ.)	3
28	RAJSAMAND	5
29	SAWAI MADHOPUR	5
30	SIKAR	5
31	SIROHI	2
32	TONK	5
33	UDAIPUR	10
Total		184

प्रशिक्षण हेतु जिलेवार निर्धारित मुख्य संदर्भ व्यक्तियों की संख्या

S.N.	District	KRP
1	AJMER	100
2	ALWAR	140
3	BANSWARA	110
4	BARAN	70
5	BARMER	170
6	BHARATPUR	100
7	BHILWARA	120
8	BIKANER	70
9	BUNDI	50
10	CHITTAURGARH	110
11	CHURU	70
12	DAUSA	60
13	DHAULPUR	50
14	DUNGARPUR	100
15	GANGANAGAR	90
16	HANUMANGARH	70
17	JAIPUR	190
18	JAISALMER	30
19	JALOR	80
20	JHALAWAR	80
21	JHUNJHUNUN	80
22	JODHPUR	170
23	KARAULI	60
24	KOTA	60
25	NAGAUR	140
26	PALI	100
27	PRATAPGARH	50
28	RAJSAMAND	70
29	S.MADHOPUR	60
30	SIKAR	90
31	SIROHI	50
32	TONK	60
33	UDAIPUR	170
	Total	3020

प्रशिक्षण हेतु जिलेवार आवंटित शिक्षकों की संख्या

S.N.	District	Total Teachers for FLN Training
1	AJMER	4451
2	ALWAR	6424
3	BANSWARA	7055
4	BARAN	3373
5	BARMER	9395
6	BHARATPUR	3980
7	BHILWARA	6021
8	BIKANER	4707
9	BUNDI	2442
10	CHITTAURGARH	3448
11	CHURU	3248
12	DAUSA	3023
13	DHAULPUR	2948
14	DUNGARPUR	5257
15	GANGANAGAR	3827
16	HANUMANGARH	2280
17	JAIPUR	7666
18	JAISALMER	2649
19	JALOR	4403
20	JHALAWAR	3713
21	JHUNJHUNU	2998
22	JODHPUR	7708
23	KARAULI	2924
24	KOTA	2456
25	NAGAUR	6767
26	PALI	3898
27	PRATAPGARH (RAJ.)	3126
28	RAJSAMAND	3388
29	SAWAI MADHOPUR	2336
30	SIKAR	4118
31	SIROHI	2319
32	TONK	3032
33	UDAIPUR	8856
Total		144236